www.mumbaitarang.com

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

व्यवहार घर का शुभ कलश है, और इंसानियत घर की तिजोरी।।

मुंबई तरंग

जय श्री राम
Yogi 8156045100 8401376537
Bimal Patel 8401886537
YOGI PROPERTY DEALER
Row House, Flats, Shop, Plot, Bunglows
PURCHASE, SALE & RENT
B-Mark Point, Dindoli Bus Stop, Near SBI Bank, Dindoli, Surat

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल | उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-02 ❖ अंक-21 ❖ मुंबई ❖ रविवार 16 से 22 मई 2021 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

पेज 3
फडणवीस सरकार के वक्त मेरा भी फोन हुआ था टेप: पटोले

पेज 5
दिल्ली में कम हुई कोरोना की रफ्तार 24 घंटे में 6500 केस, आज से ऑक्सिजन कन्सन्ट्रेटर बैंक शुरू

पेज 7
सलमान खान को ईद पर मिला रिटर्न गिफ्ट, पहले दिन ही 'राधे' ने बना दिया रिकॉर्ड

पेज 8
पूज्य मोरारी बापू द्वारा विचरती जाती और सेक्स वर्कर्स परिवार को सहाय

महाराष्ट्र में कोरोना की रफ्तार थमी

24 घंटे में 39,923 नए केस, 53,249 लोग ठीक हुए; लगातार 7वें दिन एक्टिव केस में गिरावट हुई

महाराष्ट्र में कोरोना की रफ्तार अब धीमी होती दिखाई दे रही है। बीते दिन यहां कोरोना के 39,923 नए केस सामने आए। इस दौरान 695 लोगों की मौत हुई और 53,249 लोगों ने कोरोना को मात दी। इस तरह एक्टिव केस में 14,040 की कमी हुई। यह लगातार 7वां दिन रहा, जब इलाज करा रहे मरीजों के आंकड़ों में गिरावट देखी गई।

रोजाना नए केसों के मामले में सिर्फ ब्राजील ही आगे गिरावट के बाद भी नए केस के मामले में महाराष्ट्र से आगे सिर्फ ब्राजील ही है। यहां 84,486 नए मरीज मिले हैं। वहीं, महाराष्ट्र में अब तक कुल 53 लाख 9 हजार 215 कोरोना संक्रमित सामने आ चुके हैं। कुल संक्रमितों मामले में महाराष्ट्र दुनिया के 218 देशों से आगे है।

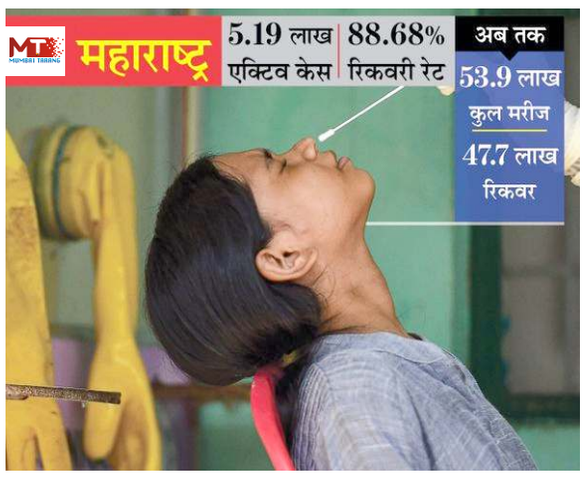

अगर ठीक होने वाले मरीजों की बात करें, तो यहां अब तक 47 लाख 7 हजार 980 लोगों ने कोरोना को मात दी है। इस मामले में यह दुनिया के 217 देशों से आगे है। राज्य का रिकवरी रेट 88.68% हो गया है। फिलहाल राज्य में कोरोना के एक्टिव केस 5 लाख 19 हजार 254 हैं। महाराष्ट्र के 36 जिलों में से लगभग 50% में कोरोना पॉजिटिविटी रेट राज्य की औसत पॉजिटिविटी रेट से ज्यादा है। 11 मई को खत्म हुए सप्ताह में महाराष्ट्र के 7 दिन की औसत पॉजिटिविटी रेट 22.5% थी। लेकिन राज्य के अहमदनगर, बीड, बुलढाणा, परभणी, सतारा, सिंधुदुर्ग और नासिक में पॉजिटिविटी रेट 30% से ज्यादा थी।

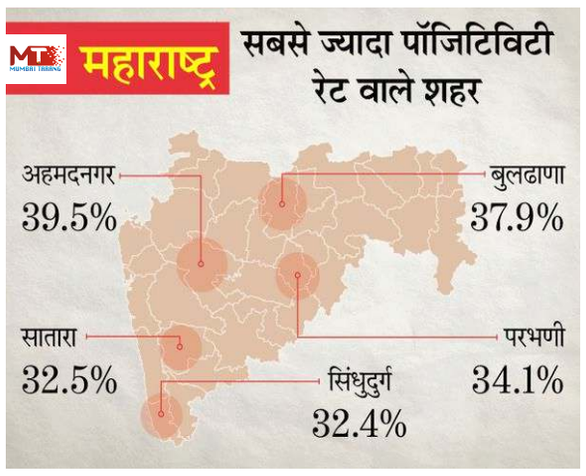

अहमदनगर में तो यह करीब 40% रिकॉर्ड की गई थी।

वहीं सांगली, जालना, हिंगोली समेत अन्य 10 शहरों में यह दर 23-27% थी। हाई पॉजिटिविटी रेट से पता चलता है कि कहीं न कहीं टेस्टिंग भी कम हो रही है। केवल जलगांव में वीकली पॉजिटिविटी रेट 10% से कम थी। मुंबई में यह 14.3% रही। कुल 6 जिले ऐसे थे, जहां पॉजिटिविटी रेट 15% से कम थी। राज्य में औसतन 2.3 लाख लोगों की टेस्टिंग रोज हो रही है। हालांकि, मई के दूसरे सप्ताह में टेस्टिंग में कमी आई थी। 10 मई को यह संख्या घटकर 1.9 लाख रह गई थी। हिंगोली, पालघर, बुलढाणा, नंदुरबार और धुले में 10 लाख की आबादी पर एक लाख से भी कम टेस्ट हो रहे हैं। अधिकारियों ने कम टेस्टिंग की वजह एंटीजन किट और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की कमी होना बताया जा रहा है।

निगेटिव रिपोर्ट नहीं तो नो इंट्री

मुंबई, कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए महाराष्ट्र सरकार लगातार प्रयासरत है। इसी के तहत राज्य में संचारबंदी लागू की गई है। हालांकि इसका सकारात्मक परिणाम सामने आने के बाद सरकार ने संचारबंदी की शर्तों को १ जून २०२१ की सुबह ७ बजे तक बढ़ा दिया है। इसके साथ ही बाहरी राज्यों से आनेवाले लोगों के लिए नए महाराष्ट्र सरकार ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसके तहत महाराष्ट्र की सीमा में प्रवेश करने के पहले प्रत्येक व्यक्ति के पास आरटीपीसीआर की निगेटिव रिपोर्ट होना अनिवार्य है, अन्यथा उसे राज्य में एंट्री नहीं मिलेगी। यह रिपोर्ट राज्य में प्रवेश करने के अधिक से अधिक ४८ घंटे पहले की होनी चाहिए। राज्य में कोरोना के प्रसार को रोकने के लिए लगाए गए प्रतिबंध १ जून, २०२१ की सुबह ७ बजे तक लागू रहेंगे। 'ब्रेक द चेन' के तहत लगाए गए प्रतिबंधों संबंधित सरकारी परिपत्र जारी किया गया है। २९ अप्रैल को कोरोना वायरस के प्रसार को रोकने के लिए १५ मई तक प्रतिबंध लगाया गया था और इसी के साथ नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे। ये प्रतिबंध अब १ जून को सुबह ७ बजे तक कायम रहेगा। संक्रामक रोग अधिनियम, १८९७ और आपदा प्रबंधन अधिनियम, २००५ के प्रावधानों के अनुसार यह निर्णय लिया गया है। परिपत्र में कहा गया है कि १३ अप्रैल २०२१, २१ अप्रैल २०२१ और उसके बाद २९ अप्रैल २०२१ को घोषित 'ब्रेक द चेन' से संबंधित सभी प्रतिबंध १ जून २०२१ तक लागू रहेंगे।

चक्रवात तौकते से निपटने की तैयारियां पूरी

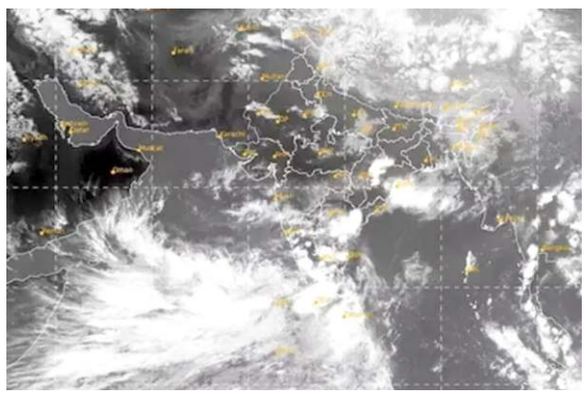

मुंबई, लक्षद्वीप द्वीप समूह और अरब सागर के ऊपर एक कम दबाव का क्षेत्र बन रहा है। रविवार तक एक शक्तिशाली चक्रवाती तूफान के सामने आने की संभावना है और अगले चार दिनों में गुजरात, महाराष्ट्र और केरल के तटों से टकराने की संभावना है। इस चक्रवात को तौकते (Tauktae Cyclone news) नाम दिया गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी है। आईएमडी ने पहले ही मुंबई और ठाणे को येलो अलर्ट जारी कर दिया है, जो तेज हवाओं के साथ अलग-अलग भारी बारिश का संकेत देता है, जबकि गुजरात और केरल के कई जिलों के लिए ऑरेंज और रेड अलर्ट जारी किए गए हैं।

18 मई तक गुजरात के तट से टकराने की आशंका

लक्षद्वीप द्वीप समूह और अरब सागर से विकसित होने वाले चक्रवात तौकते के रविवार को पूर्ण रूप से चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की आशंका है, जिससे देश के दक्षिणी और पश्चिमी तटीय भागों में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। आईएमडी ने अपने ताजा बुलेटिन में कहा, 'इसके अगले 12 घंटों के दौरान गहरे दबाव में और उसके बाद के 12 घंटों के दौरान एक चक्रवाती तूफान में बदलने की संभावना है। इसके और तेज होने की संभावना है। यह संभवत: शुक्रवार शाम तक उत्तर से उत्तर-पूर्व की ओर बढ़ेगा। फिर उत्तर से उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और 18 मई की सुबह तक गुजरात तट के पास पहुंचने की आशंका है।'

गुजरात में गोलमाल ! 71 दिनों में 1,23,871 मौतें सरकार बता रही है सिर्फ 4,218

33 जिलों और 8 निगमों ने जारी किए हैं डेथ सर्टिफिकेट

अमदाबाद, गुजरात में कोरोना को लेकर गोलमाल शुरू है। यह गोलमाल कोई और नहीं बल्कि वहां की सरकार ही कर रही है। गुजरात में कोरोना के नए मामले और मौतों के आंकड़े तेजी से बढ़ रहे हैं। अमदाबाद, सूरत, राजकोट, भावनगर, जामनगर जैसे जिलों में हालात ऐसे हैं कि शवगृहों में लाइन लग रही है। इसके बावजूद सरकार कोरोना से मरनेवालों के सही आंकड़े छिपाने की कोशिश कर रही है। ७१ दिनों में १,२३,८७१ लोगों की मौत का डेथ सर्टिफिकेट वहां के नगर निगम ने जारी किया है लेकिन सरकार कोरोना से सिर्फ ४,२१८ लोगों की मौत होने की बात कह रही है। सरकार के इसी गोलमाल पर लोग तंज कस रहे हैं। लोग यह तक कह रहे हैं कि भाजपा की गुजरात सरकार को कम-से-कम लोगों की मौत पर पारदर्शिता रखनी चाहिए न कि अपने निकम्मेपन को छुपाने के लिए आंकड़ों में गोलमाल करना चाहिए। बता दें कि १ मार्च २०२१ से १० मई २०२१ तक के डेथ सर्टिफिकेट के डेटा खंगाले गए तो चौंकानेवाली जानकारी सामने आई। इसमें पता चला कि राज्य के ३३ जिलों और ८ निगमों द्वारा सिर्फ ७१ दिनों में ही १ लाख २३ हजार ८७१ डेथ सर्टिफिकेट जारी किए जा चुके हैं जबकि सरकारी आंकड़ों में कोरोना से मरनेवालों की संख्या सिर्फ ४,२१८ ही बताई गई है। ऐसे में सवाल ये है कि सिर्फ ७१ दिनों में करीब सवा लाख लोगों की मौत कैसे हो गई? डेथ सर्टिफिकेट्स के मुताबिक इस साल मार्च में ही राज्य में २६,०२६, अप्रैल में ५७,७९६ और मई के शुरुआती १० दिनों में ४०,०५१ मौतें हुई हैं। अब इन आंकड़ों की तुलना २०२० से करें तो मार्च २०२० में २३,३५२, अप्रैल २०२० में २१,५९१ और मई २०२० में १३,१२५ मौतें दर्ज की गई थीं। यानी कि पिछले साल की तुलना में इस साल के ७१ दिनों में ही मरनेवालों का आंकड़ा दोगुना हो चुका है। मृतकों के सही आंकड़े छिपाने के आरोपों पर मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने कहा है कि सरकार मौतों के आंकड़े छिपा नहीं रही है। मौतों में प्राथमिक और द्वितीयक दोनों वजहें हैं, जिनकी मौतें को-मॉर्बिडिटी की वजह से हुई, उन्हें कोरोना से मरनेवालों में शामिल नहीं किया जा रहा है।

डॉक्टर्स और मरीजों के परिजनों के मुताबिक मार्च, अप्रैल और मई २०२१ के ७१ दिनों में जो मौतें हुई हैं, उनमें से ८० प्रतिशत मरीज कोरोना के अलावा दूसरी बीमारियों से भी पीड़ित थे यानी को-मॉर्बिड थे। राज्य में सबसे ज्यादा ३८ प्रतिशत मौतें हाइपरटेंशन के मरीजों की हुई हैं, वहीं २८ प्रतिशत कोरोना मरीजों को डायबिटीज, किडनी और लिवर से जुड़ी बीमारियां थीं।

कोरोना संक्रमण के बाद जान गंवानेवालों में १४ प्रतिशत वे लोग थे, जिन्हें दूसरी छोटी बीमारियां थीं। कोरोना मृतकों में ४ प्रतिशत वे मरीज भी थे, जो कोरोना से तो रिकवर हो चुके थे लेकिन ब्लड क्लॉटिंग के चलते हार्ट अटैक से उनकी मौत हो गई। ऐसे मृतकों की संख्या ३,५०० से ४,००० के बीच होने का अनुमान है। डॉक्टर्स के मुताबिक लंबे समय तक इलाज कराने के चलते कई मरीजों को ब्लड क्लॉटिंग की समस्या हुई थी। ४५ के पारवालों की ज्यादा मौतें सरकारी विभाग ने जो डेथ सर्टिफिकेट जारी किए गए हैं, उनकी जांच करने पर एक चौंकानेवाली जानकारी यह भी मिली कि कोरोना मृतकों में ६० प्रतिशत मरीज ४५ साल से अधिक उम्र के थे, वहीं २० प्रतिशत मृतकों की उम्र २५ साल से कम भी थी।

मराठा आरक्षण को लेकर प्रोटेस्ट हुआ स्थगित

अब 16 मई की जगह 5 जून को बीड में होगा आंदोलन, विधायक विनायक मेटे ने कहा-लॉकडाउन रहा तो भी करेंगे प्रदर्शन

सुप्रीम कोर्ट द्वारा महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण रद्द करने के बाद 16 मई से बीड में मराठा आंदोलन की शुरुआत होने वाली थी। स्थानीय विधायक और शिव संग्राम पार्टी के प्रमुख विनायक मेटे इस आंदोलन का नेतृत्व कर रहे थे। हालांकि, राज्य में कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए फिलहाल उनकी ओर से इस प्रोटेस्ट को 4 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। विधायक मेटे ने कहा कि अब 5 जून को फिर से मराठा समुदाय से जुड़े लोग बीड में जमा होंगे और प्रदर्शन करेंगे। प्रदर्शन को स्थगित करने की जानकारी देते हुए मेटे ने कहा कि पत्र लिखकर और हाथ जोड़कर आरक्षण प्राप्त नहीं किया जा सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'राज्य की महाविकास अघाड़ी सरकार के मन में पाप है। उन्हें मराठा समुदाय को आरक्षण नहीं देना है। मराठा आरक्षण रद्द करने के लिए अशोक चव्हाण के साथ-साथ मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे भी उतने ही जिम्मेदार हैं। आरक्षण के लिए कानूनी प्रयासों की आवश्यकता है।' मेटे ने यह भी कहा कि वह 18 मई को राज्य भर के तहसीलदारों को बयान देंगे और 5 जून को अगर लॉकडाउन भी रहा उसके बाद भी प्रोटेस्ट करेंगे। राज्य सरकार की जवाबदेही अगर केंद्र सब कुछ करना चाहे तो आप क्या करेंगे ? मेटे का सवाल है कि ये सब लोग मराठा आरक्षण की बात कर रहे हैं। यह एक लंबे समय बाद आना हुआ है। याचिका राज्य सरकार द्वारा दायर की जानी थी, लेकिन उन्होंने केवल इसकी आलोचना की है। मेटे ने कहा कि हम इस संबंध में जल्द ही राज्यपाल से मिलेंगे और हम राज्यपाल से एक बयान के साथ मिलेंगे कि आप गठबंधन सरकार से जवाब मांगें और उन्हें एक समझ दें। हम देवेंद्र फड़णवीस से अनुरोध कर राष्ट्रपति से भी मिलने वाले हैं। मेटे ने कहा, 'मराठा समुदाय में असंतोष को दबाने के लिए लॉकडाउन लगाया गया है।

मुंबई लौटे करीब साढ़े तीन लाख लोग

कोरोना टेस्टिंग में हुई चूक तो फिर हालात होंगे बेकाबू

मुंबई, शहर में कोरोना संक्रमण के आंकड़ों को लेकर भले ही प्रशासन की पीठ थपथपाई जा रही हो, लेकिन टेस्टिंग में हो रही चूक से कहीं दोबारा खामियाजा न भुगतना पड़े। मुंबई में एक ओर सुबह 11 बजे तक बाजारों में सामान्य भीड़ दिखाई देने लगी है। दूसरी ओर रेलवे से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार पिछले दस दिनों में करीब 3 लाख लोग ट्रेनों से मुंबई लौटे हैं। सूत्रों की मानें तो इनकी टेस्टिंग को लेकर ढिलाई बरती जा रही है, जिसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं। उत्तर भारत से लौटे सबसे ज्यादा लोग पश्चिम रेलवे से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, 1 मई से 9 मई तक 1,53,082 लोग मुंबई लौटे हैं। इनमें 60 हजार से ज्यादा लोग राजस्थान से लौटे हैं। इसी तरह मध्य रेलवे के मुंबई डिविजन में 1 से 9 मई के बीच करीब 2 लाख यात्री मुंबई लौटे हैं। इनमें से 70% यात्री यूपी और बिहार से आए हैं। महाराष्ट्र में लॉकडाउन के बाद जब मजदूरों का पलायन हो रहा था, तब पश्चिम रेलवे ने भी यूपी और बिहार के लिए ट्रेनें चलाई थीं। पश्चिम रेलवे पर करीब 50 हजार लोग यूपी, बिहार और उत्तराखंड से मुंबई लौटे हैं।

॥ भावभीनी श्रद्धांजलि ॥

आपकी मधुर स्मृति, स्नेह आदर्श, मार्गदर्शन, आशीर्वाद
हमारे लिए सदैव प्रेरणादायक रहेंगे।
समस्त परिवारजन
भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते है।
आपका आशीर्वाद एवं स्नेह सदैव बना रहे।

स्व. बाबूभाई अम्बाराम पटेल
13/05/2021
टेलीफोनिक शोकसभा : 16/5/2021 रविवार सुबह 8 से 10 बजे तक
शोकाकुल: (पुत्र) पल्केश बाबूभाई पटेल, 9825046513
(भाई) विष्णु अम्बाराम पटेल, 9913645728
(पौत्र) ध्रुविल पल्केश पटेल

विपक्षी एकता की कवायद

शिवसेना सांसद संजय राउत ने एक बार फिर कहा है कि विपक्षी दलों का एक मजबूत मोर्चा वक्त की जरूरत है। यह बात पहले से कही जा रही थी कि पांच राज्यों में चुनाव के नतीजे 'अच्छे' रहे तो विपक्षी दलों को नए सिरे से संगठित करने की कोशिश हो सकती है। खास तौर पर पश्चिम बंगाल में बीजेपी की उम्मीदों को झटका देते हुए ममता बनर्जी ने जो अप्रत्याशित जीत दर्ज की, उससे विपक्ष का हौसला बढ़ा है। हालांकि राउत ने जो कहा है, उससे यह बात तय हो गई है कि इस संभावित विपक्षी मोर्चे की नेता के तौर पर ममता बनर्जी का नाम तय मानकर नहीं चला जा सकता। राउत पहले इसके लिए एनसीपी के शरद पवार का नाम ले चुके हैं। इस बार उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन कुछ ऐसा भी नहीं कहा, जिससे लगे कि उनकी पार्टी अपनी इस राय से पीछे हटी है। दूसरी तरफ कांग्रेस सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने यह तो माना कि बीजेपी विरोधी राजनीति की अग्रिम

पंक्ति में ममता बनर्जी अपनी जगह पक्की कर चुकी हैं, लेकिन उन्होंने भी साफ किया कि विपक्षी मोर्चे का नेता कौन होगा, जैसे सवाल अभी नहीं उठाने चाहिए। सिंघवी ने एक बड़ा संकेत यह दिया है कि इस मोर्चे में कांग्रेस 'सपोर्टिंग रोल' के लिए तैयार है। खैर, विपक्ष की एकजुटता की राह में सबसे बड़ा रोड़ा यही सवाल बनने वाला है कि उसकी अगुआई किसके हाथों में होगी। यूपीए-वन और यूपीए-टू के दौरान यह मुद्दा आसानी से हल हो गया तो इसलिए क्योंकि तब कांग्रेस सबसे बड़ी और मजबूत पार्टी के रूप में मौजूद थी। मगर पिछले कुछ वर्षों से उसकी ताकत लगातार कम होती गई है। ऐसे में विपक्षी मोर्चे का हिस्से बनने वाली क्षेत्रीय पार्टियां कांग्रेस पर हावी होने की कोशिश करें, यह स्वाभाविक ही है। लेकिन क्या कांग्रेस वाकई विपक्षी मोर्चे के नेतृत्व का दावा आसानी से छोड़ देगी? यों भी, 2024 संसदीय चुनाव में अभी तीन साल बाकी हैं। उससे पहले यूपी, पंजाब, गुजरात जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के विधानसभा चुनाव होने हैं। विपक्षी खेमे में शामिल एसपी और बीएसपी जैसे दलों की ही नहीं, खुद कांग्रेस की हैसियत भी काफी कुछ इन विधानसभा चुनावों के नतीजों से निर्धारित होगी। साफ है, विपक्षी खेमे के नेतृत्व का सवाल आसानी से हल नहीं होने वाला। लेकिन लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष की जरूरत सिर्फ चुनावों के लिए नहीं होती। सामान्य दिनों में शासन को जनाभिमुख बनाए रखने के लिए भी उसकी जरूरत होती है। और आज जब देश कोरोना की असाधारण चुनौती से जूझ रहा है तो विपक्ष का बिखराव किसी के हक में नहीं है। इसलिए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के नतीजों से मिले उत्साह की ही बदौलत अगर विपक्षी पार्टियां आपस में बेहतर सामंजस्य और तालमेल स्थापित करती हैं तो यह एक सराहनीय कदम होगा।

गांवों में फैला कोरोना

किरीट ए. चावड़ा

जहां एक ओर बुरी तरह प्रभावित राज्यों और बड़े शहरों में कोरोना संक्रमण की स्थिति में हल्का सुधार दिखने से राहत महसूस की जा रही है, वहीं दूसरी ओर महामारी के गांवों में तेजी से फैलने के संकेत दिख रहे हैं। बिहार, यूपी के जिलों में गंगा और यमुना में सौ से ज्यादा लाशें

जो मामले पकड़ में आ रहे हैं, उनके आंकड़े इतना तो स्पष्ट कर ही देते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में हालात काफी तेजी से बिगड़े हैं। उदाहरण के लिए 9 अप्रैल से 9 मई के बीच विभिन्न राज्यों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की बदली स्थिति पर नजर डाली जा सकती है।

बहती पाई गई हैं। इस मामले की जांच हो रही है। पता किया जा रहा है कि ये शव आखिर कहां के हैं और इन लोगों की मौत के वास्तविक कारण क्या हैं। लेकिन ऐसी अटकलें लग रही हैं कि कोरोना फैलने से गांवों में मृतकों का अंतिम संस्कार करना संभव नहीं हो पा रहा और शव नदियों में बहाए जा रहे हैं। गांवों में बड़े पैमाने पर टेस्ट की सुविधा नहीं है, लेकिन जितने भी टेस्ट हो रहे हैं, उनमें पॉजिटिव नतीजों का ज्यादा अनुपात बताता है कि संक्रमण स्तर काफी बढ़ा हुआ है। ऐसे में यह संभावना मजबूत हो जाती है

कि ग्रामीण क्षेत्रों के बहुत सारे मामले कोरोना के रूप में चिह्नित नहीं हो पाते होंगे। फिर भी, जो मामले पकड़ में आ रहे हैं, उनके आंकड़े इतना तो स्पष्ट कर ही देते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में हालात काफी तेजी से बिगड़े हैं। उदाहरण के लिए 9 अप्रैल से 9 मई के बीच विभिन्न राज्यों में ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की बदली स्थिति पर नजर डाली जा सकती है। बिहार में 9 अप्रैल को कोरोना संक्रमण के मामले शहरी क्षेत्रों में 47 फीसदी और ग्रामीण क्षेत्रों में 53 फीसदी थे। एक महीने बाद 9 मई को शहरी क्षेत्रों के मामले जहां 24 फीसदी पर आ गए, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में ये बढ़कर 76 फीसदी पर पहुंच गए। यूपी में 9 अप्रैल को ग्रामीण क्षेत्रों का अनुपात 49 फीसदी था, जो 9 मई को बढ़कर 65 फीसदी हो गया था। महाराष्ट्र (32 से 56), छत्तीसगढ़ (56 से 89),आंध्रप्रदेश (53 से 72) जैसे अन्य राज्य भी इसी स्थिति की ओर संकेत करते हैं। यह स्थिति ज्यादा गंभीर इसलिए है कि एक तो ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच कम है, दूसरे वहां लोगों का एक-दूसरे से दूरी बरतना भी सहज नहीं है।

ऐसे में एकमात्र उपाय यही बच जाता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकाधिक स्वास्थ्य केंद्र खोलकर लोगों में जागरूकता लाने, टेस्ट की संख्या बढ़ाने आइसोलेशन सेंटर खोलने और चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने का काम तत्काल युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया जाए। वैक्सीन को लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में झिझक और कई गलतफमियां भी हैं। इन्हें दूर करने के लिए सरकार को जरूरी अभियान चलाना चाहिए और इन इलाकों में टीकाकरण की रफ्तार में तेजी लानी चाहिए। तभी महामारी को हराने की ओर हम एक बड़ा कदम बढ़ा पाएंगे।

कोरोना पर मुंबई मॉडल के क्यों हुए सब मुरीद

जिगर डी वाढेर

पिछले हफ्ते बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक सुनवाई में कहा कि दिल्ली में कोरोना मरीजों के ऑक्सिजन मैनेजमेंट में मुंबई मॉडल अपनाया जाना चाहिए। जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस एमआर शाह की बेंच ने सरकार से साफ लफ्जों में कहा कि ग्रेटर मुंबई नगर निगम के अनुभव से कुछ सीखें, वे सचमुच बड़ा काम कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने ऑक्सिजन मैनेजमेंट के जिस मुंबई मॉडल की तारीफ की है, वह कोई जटिल रॉकेट साइंस नहीं है। यह बिलकुल किसी गृहणी की तरह अपने घर का राशन मैनेजमेंट करने जैसा है। अप्रैल के दूसरे सप्ताह में जब कोरोना मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ी, तो पूरे देश में ऑक्सिजन की खपत भी बढ़ी। मुंबई के नागरिक प्रशासन के लिए 16-17 अप्रैल का दिन बहुत ही चुनौती भरा था। उस दिन 7,786 नए मरीज आए थे। अचानक ऑक्सिजन की डिमांड बढ़ गई। मुंबई के 6 सरकारी अस्पतालों में ऑक्सिजन कम पड़ने लगी, जिससे 168 मरीजों की जान दांव पर लग गई।

इस मसले पर राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों और मुख्यमंत्री ने फैसला लिया कि 6 अस्पतालों में भर्ती मरीजों को तत्काल कार्डियक एंबुलेंस के जरिए जंबो कोविड केयर हॉस्पिटल में ट्रांसफर किया जाए। आनन-फानन में जहां-जहां कार्डियक एंबुलेंस मिली, सबको जमा किया गया और मरीजों को जंबो कोविड केयर अस्पताल पहुंचाया गया। सभी मरीजों की जान बचा ली गई इससे प्रशासन का हौसला बढ़ा। दोबारा ऐसी स्थिति ना आए इसके लिए टास्क फोर्स से सुझाव मांगे गए।

टास्क फोर्स ने सुझाया कि ऑक्सिजन की बचत के लिए हाई फ्लो नेजल कन्याल (एचएफएनसी) का प्रयोग तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाए, क्योंकि जब मरीज को ऑक्सिजन देने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता है, तो 80 लीटर प्रति मिनट की दर से ऑक्सिजन की खपत होती है। इसकी जगह पर बीलेवल पॉजिटिव एयरवे प्रेशर मशीनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जो कम दबाव के साथ

ऑक्सिजन की खपत करते हैं। यानी सबसे पहले उपलब्ध ऑक्सिजन को संभाल-संभाल कर खर्च करने पर अमल शुरू हुआ। दूसरी तरफ ऑक्सिजन की सप्लाई को नियोजित करने के लिए छह वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम बनी, जिनका काम सिर्फ ऑक्सिजन की नियमित सप्लाई को सुचारू रखना था। मुंबई के सिर्फ दो सरकारी अस्पतालों में ऑक्सिजन प्लांट लगे हैं, इसलिए बाकी अस्पतालों में ऑक्सिजन देने के लिए तुरंत लिक्विड मेडिकल ऑक्सिजन के टैंक बने, जिन्हें दिन भर में कम से कम एक बार भरने की व्यवस्था की गई। जब ऑक्सिजन का संकट बढ़ा तो तत्काल छह वाहनों को क्विक रिस्पॉन्स वीइकल के तौर पर रिजर्व कर दिया गया। उनका काम सिर्फ जरूरत पड़ने पर अस्पतालों को ऑक्सिजन सिलेंडर और ऑक्सिजन कंसंट्रेटर पहुंचाने का था। वॉर्ड लेवल पर टीम गठित की गई, जिनका काम किसी अस्पताल में रखी सरप्लस ऑक्सिजन को जरूरत वाले अस्पताल तक पहुंचाने का था। ऑक्सिजन का उत्पादन आमद और खपत का बारीकी से रिकॉर्ड बनाया गया। केंद्र से बात करके हल्दिया की जगह गुजरात से ऑक्सिजन मंगाई गई, जिससे समय और बचा।

महाराष्ट्र सरकार ने अपनी मदद के लिए महाराष्ट्र भर के चुनिंदा विशेषज्ञ डॉक्टरों और अनुभवी अफसरों की एक टास्क फोर्स बना रखी है। इस टास्क फोर्स में शामिल चिकित्सा विशेषज्ञों से मुख्यमंत्री खुद संपर्क में रहते हैं। टास्क फोर्स समय-समय पर मुख्यमंत्री को उचित सलाह देता है जो यह बताता है कि आने वाले समय में किन चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और इन चुनौतियों से निपटने के लिए क्या उपाय किए जाने चाहिए। मुख्यमंत्री टास्क फोर्स की सलाह को सुनते हैं, मंत्रिमंडल के अपने सहयोगियों के साथ विचार-विमर्श करते हैं, आर्थिक पक्ष की समीक्षा करते हैं और फिर फैसला लेते हैं।

लेकिन सबसे ज्यादा काम आए बड़े-बड़े मैदानों में वे अस्थायी फील्ड हॉस्पिटल, जो पिछली लहर में बने थे। दो से ढाई हजार बिस्तरों की क्षमता वाले इन अस्पतालों में ऑक्सिजन, आईसीयू और वेंटिलेटर भी हैं। इससे अस्पतालों पर कोरोना मरीजों का बोझ घटा और हेल्थ वर्करों की कमी के बावजूद एक ही जगह पर ढेरों लोगों का इलाज किया जा सका। मुंबई में लोगों को बेड की तलाश में उतनी मुसीबतों का सामना नहीं करना पड़ा, जितनी देश के कई हिस्सों में लोग कर रहे हैं।

किसके इशारे पर नाच रहा है लांसेट

भूपेन्द्र पटेल

करीब 200 साल पहले अंग्रेज सर्जन थॉमस वैक्ले ने 'द लांसेट' का पब्लिकेशन शुरू किया। मेडिकल जगत में इस साप्ताहिक शोध पत्रिका की खूब प्रतिष्ठा है, लेकिन क्या इसमें छपे हर वाक्य को गीता, बाइबल या कुरान जैसी महिमा मिलनी चाहिए? इधर, द लांसेट ने अपने संपादकीय में कोविड-19 महामारी की हैंडलिंग को लेकर भारत सरकार की आलोचना की है। उसने लिखा है कि मोदी सरकार की दिलचस्पी महामारी को नियंत्रित करने में कम, ट्विटर से अपनी आलोचनाएं हटाने में अधिक थी। यह भी लिखा गया कि इसके लिए भारत सरकार को 'माफ नहीं किया जा सकता'।

लांसेट की पॉलिटिक्स

कोरोना की पहली लहर के बाद महामारी पर जीत का ऐलान करने और उसके बाद पश्चिम बंगाल की चुनावी रैलियों से लेकर हरिद्वार में महाकुंभ के आयोजन की छूट देने जैसे फैसलों पर सुप्रीम कोर्ट तक ने सवाल उठाए हैं। शीर्ष अदालत ने यहां तक कहा कि हम आपकी तरह शुतुरमुर्ग की मानिंद रेत में सिर छिपाकर नहीं रह सकते। बेशक, इस मामले में केंद्र सरकार कठघरे में है और उसकी जवाबदेही भी बनती है। लेकिन क्या द लांसेट को भी इन्हीं बातों को दोहराना चाहिए? आखिर उसकी राजनीति क्या है? क्या आप जानते हैं कि इस जर्नल का प्रकाशन लंदन के अलावा न्यू यॉर्क और चीन की राजधानी पेइचिंग से भी होता है। चीन के शहर वुहान से यह महामारी दुनिया भर में फैली। इसकी पड़ताल की कोशिशों को चीन ने भरसक दबाने का प्रयास किया। और हाल में एक ऑस्ट्रेलियाई अखबार ने तो यह दावा तक किया है कि चीन ने एक जैविक हथियार के रूप में कोरोना का विकास किया है। अब सवाल यह है कि एक मेडिकल जर्नल क्या करता है? द लांसेट के संपादकों को बखूबी मालूम है कि पत्रिका की भूमिका मेडिकल, प्री-क्लिनिकल और क्लिनिकल रिसर्च को सामने लाना, इलाज के तरीकों की समीक्षा करना और प्रमुख अध्ययनों के हवाले से उनके नतीजों को प्रकाशित करने तक सीमित है। लेकिन हाल के कुछ वर्षों में उसके रवैये से ऐसा लग नहीं रहा कि जिंदगी बचाने में चिकित्सा जगत की खूबियों को सामने लाना उसका मुख्य उद्देश्य है। इसके उलट वह चंद देशों के इशारे पर उनके अजेंडे को आगे बढ़ा रही है। उदाहरण के तौर पर, पिछले साल द लांसेट में एक लाख के करीब कोरोना मरीजों पर की गई शोध पर आधारित एक रिपोर्ट छपी। इसमें दावा किया गया कि हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन (एचसीक्यू) नामक दवा से कोविड-19 मरीजों में मौत का खतरा बढ़ जाता है। इस शोध की वजह से विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कोविड-19 के मरीजों पर एचसीक्यू के क्लिनिकल ट्रायल्स रोक दिए। बाद में इस जर्नल ने एक आंतरिक जांच को आधार बताते हुए एचसीक्यू वाली स्टडी को वापस ले लिया।

अब सवाल उठता है कि अगर शोध कार्य में गड़बड़ियां थीं, तो उसे इस जर्नल में प्रकाशित ही क्यों किया गया? साथ ही, एचसीक्यू से मौत के ज्यादा खतरे वाले दावे किसी के इशारे पर किए गए थे? इस मामले में उंगली चीन की तरफ उठी। कहा गया कि चीन नहीं चाहता था कि उससे पहले यूरोप, अमेरिका या भारत कोरोना की वैक्सीन बना ले क्योंकि इसमें एक विशाल बाजार की संभावना है।

चीन की मुश्किल

फर्जी डेटा और मनमाने विश्लेषण के बल पर साइंस और फार्मा के क्षेत्र में सुपर पावर बनने का सपना देख रहे चीन के लिए ऐसी गड़बड़ियां कराना कोई नई बात नहीं। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग अपने देश को 2049 तक ग्लोबल साइंटिफिक ऐंड टेक्नॉलजी पावरहाउस बनाने का सपना देख रहे हैं। लेकिन यह कैसे होगा, इस पर खुद चीन में भारी उलझन है। 2017 में ऐसे कई फर्जीवाड़े सामने आने पर शियान जियाओतोंग यूनिवर्सिटी में अप्लायड फिजिक्स के प्रफेसर झांग ली ने माना था कि इस क्षेत्र में ग्लोबल लीडर बनने की मंशा पाल रहे चीन को पता नहीं है कि वह इस मंजिल तक कैसे पहुंचेगा। बेशक, चीन ने साइंस, रिसर्च और टेक्नॉलजी के क्षेत्र में काफी प्रगति की है, लेकिन उसे शोध कार्यों में पाइरेसी और खराब गुणवत्ता की समस्या से भी जूझना पड़ रहा है।

रिसर्च पेपर्स पर नजर रखने वाले ब्लॉग- रिट्रैक्शन वॉच के मुताबिक फेक पियर रिव्यू के कारण बहुत से चीनी शोधकर्ताओं को अपने रिसर्च पेपर्स वापस लेने पड़े। अप्रैल, 2017 में एक साइंटिफिक जर्नल ने दुनिया भर के जिन 107 बायॉलजी रिसर्च पेपर्स को खराब क्वॉलिटी और फर्जीवाड़े के आधार पर वापस किया था, उनमें से ज्यादातर के लेखक चीनी थे। उसी साल चीन के एक ऐसे जीन साइंटिस्ट ने अपना रिसर्च पेपर वापस लिया, जिसे देश में सिलेब्रिटी का स्टेटस मिल चुका था। एक समय तो उस वैज्ञानिक को नोबेल पुरस्कार का हकदार भी माना जाने लगा था। उसकी रिसर्च वापस हुई क्योंकि दूसरे वैज्ञानिक उसकी रिसर्च के आधार पर शोध के नतीजे नहीं दोहरा सके।

रिसर्च पेपर का ब्लैक मार्केट

उसी दौरान एक सरकारी जांच से पता चला कि चीन में रिसर्च पेपर्स का ऑनलाइन ब्लैक मार्केट चल रहा है, जहां पॉजिटिव पियर रिव्यू से लेकर पूरे-पूरे रिसर्च आर्टिकल तक बिकते हैं। आज कोई इस पर आसानी से यकीन न करे कि द लांसेट वाले ताजा मामले में चीन का कोई रोल हो सकता है, लेकिन देर-सबेर इन आशंकाओं पर दुनिया में चर्चा अवश्य छिड़ेगी कि आखिर जिन रिसर्च पेपरों के बल पर चीन साइंस-फार्मा के क्षेत्र में छा जाना चाहता है, उनकी सचाई क्या है।हालांकि कठघरे में अकेले चीन नहीं है। पूरी दुनिया में ऐसे शोधपत्रों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। कहीं उनकी क्वॉलिटी को संदिग्ध बताया जाता है, तो कहीं उन्हें पूरी तरह कॉपी-पेस्टिंग का कमाल भर बताया जाता है।

डाईबीटीज़ इंसुलिन इंजेक्शन के प्रति गलत भ्रम फैलाना रोका जाय - यूनाइटेड डाईबीटीज़ फोरम'

सरकार व स्वास्थ्य मंत्रालय सोसल मिडिया पर डाईबीटीज़ इंसुलिन इंजेक्शन के प्रति गलत भ्रम फ़ैलाने वालो को रोके- यूनाइटेड डाईबीटीज़ फोरम'

मुंबई :आजकल लोगों में डाईबीटीज़ (मधुमेह) की बीमारी काफी देखने को मिलती, जोकि आगे चलकर अन्य बीमारियों का कारण बनती है। जोकि दो प्रकार की होती है, एक टाईप १ जोकि ५ प्रतिशत मरीज़ों को ही होती है,जोकि ज्यादातर बच्चों में होती है और उसका इलाज केवल नियमित तौर पर इंसुलिन इंजेक्शन ही एक है और टाईप २ यह ९५ प्रतिशत मरीज़ो को होता है और यह दवाई व खानपान से कंट्रोल होता है और १० या १५ साल बाद इनमें से काफी लोगों को भीं इंसुलिन इंजेक्शन की जरुरत पड़ती है। टाईप १ डाईबीटीज़ जो ज्यादातर बच्चों में होता है, उसका इलाज केवल नियमित तौर पर इंसुलिन इंजेक्शन है,जोकि देश विदेश सभी जगह इसका इलाज एक ही है। लेकिन कुछ लोगो द्वारा सोसल मिडिया पर यह भ्रम फैलाया जा रहा है कि इसका इलाज उनकी गोली ,योग व ध्यान इत्यादि से ठीक हो सकता है, जिससे लोगों के झांसे में आने के कारण यदि बच्चों इंसुलिन इंजेक्शन ना दिया गया या बंद कर दिया गया तो उनकी जान को खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए ' यूनाइटेड डाईबीटीज़ फोरम' के अध्यक्ष डॉ. मनोज चावला, सेक्रेटरी डॉ. राजीव कोविल व ट्रैज़रर डॉ. तेजस शाह ने स्वास्थ्य मंत्रालय, भारत सरकार व अन्य संस्थाओं को लेटर भेजकर आग्रह किया गया कि भ्रम फ़ैलाने को रोका जाय। ' यूनाइटेड डाईबीटीज़ फोरम' एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. मनोज चावला कहते है,"इंसुलिन पाचक ग्रंथि (पेंक्रिया) द्वारा बनाया जाता है,यह शरीर में कार्बोहाइड्रेट को एनर्जी में बदलने का काम इंसुलिन करती है। जब पेंक्रिया में इंसुलिन बनना बंद हो जाता है, ग्लूकोज एनर्जी में परिवर्तित नहीं हो पता है। और ब्लड वेसेल्स में जमा होकर डाइबिटीज़ की बीमारी का रूप ले लेता है। टाईप १ डाईबीटीज़ का इलाज केवल इंसुलिन इंजेक्शन यदि लोग गलत अफवाहों या बिना पढ़े लिखे के कहने में आकर इंसुलिन इंजेक्शन बंद करते है तो बच्चों की जिंदगी खतरे में आ सकती है। इसलिए सरकार व स्वास्थ्य मंत्रालय सोसल मिडिया ऐसे गलत भ्रम फ़ैलाने वालो को रोके, इसलिए यह पत्र भेजा गया है।"

फडणवीस सरकार के वक्त मेरा भी फोन हुआ था टेप: पटोले

मुंबई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने दावा किया है कि राज्य की पिछली फडणवीस सरकार के वक्त साल 2016-17 के दौरान जब कई लोगों के फोन टेप किए गए थे तो उस वक्त मेरा भी फोन टेप किया गया था। एक निजी न्यूज चैनल पर प्रसारित खबर के आधार पर पटोले ने यह बात कही है। शुक्रवार को उन्होंने कहा कि ड्रग्स तस्करी करने वाले गिरोह के पर्दाफाश के नाम पर राजनेताओं के फोन टेप किए गए थे। इस मामले में मेरे फोन के टैपिंग के लिए अमजद खान नाम के फर्जी नाम का इस्तेमाल किया गया था। पटोले ने कहा कि राज्य की महा विकास आघाडी सरकार इस मामले की उच्चस्तरिय जांच कर दोषियों को दंडित करे। पटोले ने कहा कि फडणवीस सरकार के समय मेरे सहित राकांपा, कांग्रेस, भाजपा व शिवसेना नेताओं के अलावा कई आईपीएस-आईएएस अधिकारियों के भी फोन टेप किए गए थे। कांग्रेस नेता ने कहा कि मेरा नाम ड्रग्स तस्करों से जोड़ना निंदनिय है। उन्होंने दावा किया कि फोन टैपिंग के लिए फर्जी नाम-पते का इस्तेमाल किया गया था। पटोले ने कहा कि यह फोन टैपिंग किसने करवाया था और इसके लिए किसने अनुमति दी थी। इसके पीछे उद्देश्य किया था?इसकी पूरी जांच होना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राज्य की महा विकास आघाडी सरकार यह सहन नहीं करेगी।

राम भरोसे चल रहा है देश: संजय राऊत

मुंबई। शिवसेना सांसद संजय राऊत ने देश में कोरोना महामारी के कारण पैदा हुई स्थिति को लेकर केंद्र सरकार पर कटाक्ष किया है। राऊत ने कहा कि देश राम भरोसे चल रहा है। उन्होंने कहा कि देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन और प्रशासन है। लेकिन उनका अस्तित्व में होना जरूरी है। उनके अदृश्य रहने से काम नहीं चलेगा। शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत में राऊत ने कहा कि जिस तरीके से कोरोना के कारण मौत हो रही है। उत्तर प्रदेश और बिहार में गंगा नदी में सकड़ों शव मिल रहा है। प्रभु श्रीराम के अयोध्या में ऑक्सीजन न मिलने से हालत खराब हैं। देश में हाहाकार मचा हुआ है। उससे साफ है कि देश राम भरोसे चल रहा है। राऊत ने कहा कि प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को राजनीति और अंहकार भूलकर हर राज्य से संपर्क रखना चाहिए। देश में कोरोना से लड़ने के लिए महाराष्ट्र मॉडल को लागू करना चाहिए। राऊत ने कहा कि केंद्र सरकार सेंट्रल विस्टा परियोजनाके जरिए दिल्ली का नक्शा बदल कर क्या करेगी। देश में लोग जीवित रहने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। केंद्र सरकार को सेंट्रल विस्टा परियोजना के बजट को स्वास्थ्य सुविधाओं पर खर्च करना चाहिए। राऊत ने कहा कि देश में कोरोना महामारी बढ़ने के लिए असली गुनहगार भारत निर्वाचन आयोग है। पश्चिम बंगल में एक चरण में विधानसभा चुनाव कराए जा सकते थे। मंत्रिमंडल में बर्तन से बर्तन टकराए होंगे राकांपा प्रदेश अध्यक्ष तथा जलसंसाधन मंत्री जयंत पाटील द्वारा राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में मुख्य सचिव सीताराम कुंटे पर नाराज होने और उनके मुख्यमंत्री से टकराव की खबरों पर राऊत ने जवाब दिया। राऊत ने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में बर्तन से बर्तन टकराए होंगे। कुछ बातें हुई होंगी। लेकिन हमारे बर्तन कांच के नहीं है। राऊत ने कहा कि कोई चाहे कितनी भी अफवाह फैलाने का काम करे लेकिन सरकार स्थिर है। महाविकास आघाड़ी में कोई फुट नहीं है। राऊत ने कहा कि पाटील सरकार के वरिष्ठ मंत्री हैं। उन्होंने खुद ही कहा है कि राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में क्या हुआ है। इसकी खुलासा बाहर नहीं किया जा सकता है। इससे जवाब में विधान परिषद में विपक्ष के नेता प्रवीण दरेकर ने कहा कि महाविकास आघाड़ी में बर्तन का टकराव पूरे राज्य भर में नजर आ रहा है। किसी दिन निश्चित रूप से विस्फोट होगा। इससे पहले पाटील ने राज्य मंत्रिमंडल द्वारा जलसंसाधन विभाग की मंजूर फाइल को दोबारा वित्त विभाग के पास भेजने को लेकर कुंटे पर नाराजगी जताई थी।

फोन टैपिंग मामले में सीबीआई की मांग अदालत में खारिज

मुंबई। मुंबई की एस्प्लेनेड मैजिस्ट्रेट कोर्ट ने सीबीआई के उस आवेदन को खारिज कर दिया है जिसमें सीबीआई ने मुंबई पुलिस की सायबर प्रकोष्ठ को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रश्मि शुक्ला से जुड़े फोन टैपिंग मामले को लेकर जब्त किए गए डिजिटल रिकॉर्ड सौंपने का निर्देश देने की मांग की थी। सीबीआई ने आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 91 के तहत इस विषय में आवेदन किया था। जिसमें रिकॉर्ड को कोर्ट में पेश करने का निवेदन किया गया था।अतिरिक्त मुख्य महानगरिय दंडाधिकारी ने सुनवाई के बाद सीबीआई के आवेदन को खारिज कर दिया है। राज्य सरकार की ओर से इस मामले में बतौर विशेष सरकारी वकील पैरवी कर रहे अधिवक्ता अजय मिसर ने सीबीआई के आवेदन का विरोध किया। उन्होंने कहा कि मामले को लेकर पुलिस ने जो डिजिटल रिकॉर्ड जब्त किया है। वह अलग मामले के लिए जब्त किया गया है। जबकि सीबीआई दूसरे मामले की जांच कर रही है। इसलिए एक अपराध को लेकर जब्त की गई सामग्री दूसरे अपराध की जांच के लिए इस्तेमाल नहीं कि जा सकती है। इसके अलावा जो डिजिटल रिकॉर्ड व उपकरण जब्त किए गए हैं, उन्हें फोरेंसिक विश्लेषण के लिए भेजा गया है।

महाराष्ट्र में महिला को थूक चाटने की सजा, तलाक के बाद दूसरी शादी से नाराज थी पंचायत

अकोला, हम आज भले ही 21वीं सदी में जीने की बात करते हो, महिला सशक्तिकरण की बात करते हों। यकीन मानिये महाराष्ट्र की इस घटना के बाद आपको सब बेमानी सा लगने लगेगा। खुद को देश के अग्रणी राज्य का निवासी बताने वाले लोगों की सोच कितनी पिछड़ी और घटिया है। इसका अंदाजा आपको महाराष्ट्र की इस घटना से लग जायेगा। दरअसल महाराष्ट्र के अकोला जिले में तलाक के बाद दूसरी शादी करने वाली 35 वर्षीय एक महिला को उसके समुदाय की एक 'जाति पंचायत' ने सजा के तौर पर थूक चाटने का आदेश दिया। एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि जाति पंचायत ने महिला पर एक लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। हालांकि महिला ने हिम्मत दिखाते हुए इन फरमानों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि यह घटना पिछले महीने की है। महिला के अनाधिकारिक ग्राम परिषद के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने के बाद यह मामला प्रकाश में आया। अधिकारी ने बताया कि जलगांव में रहने वाली महिला के शिकायत करने के बाद महाराष्ट्र सामाजिक बहिष्कार से संरक्षण अधिनियम, 2016 की धारा पांच और छह के तहत जाति पंचायत के 10 सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि प्राथमिकी बृहस्पतिवार शाम जलगांव के चोपडा सिटी पुलिस थाने में दर्ज की गई। इसके बाद मामले की जांच अकोला के पिंजर पुलिस थाने को सौंप दी गई, जहां यह घटना हुई थी। अधिकारी ने बताया कि शिकायत के अनुसार घटना नौ अप्रैल को अकोला के वडगांव में हुई, जहां पीड़िता के दूसरी शादी पर फैसला लेने के मामले में जाति पंचायत बुलाई गई थी। अधिकारी ने बताया कि पीड़िता का नाता 'नाथ जोगी' समुदाय से है और उसके समुदाय की जाति पंचायत उसकी दूसरी शादी स्वीकार नहीं करती। उन्होंने बताया कि 2015 में पहले पति से तलाक के बाद पीड़िता ने 2019 में दूसरी शादी की थी। उसने पहली शादी 2011 में की थी। अधिकारी ने बताया कि पंचायत ने महिला की दूसरी शादी पर चर्चा की और उसकी बहन तथा अन्य रिश्तेदारों को बुलाकर 'फैसला' सुनाया। इस दौरान पीड़िता वहां मौजूद नहीं थी। उन्होंने बताया कि फैसले के अनुसार, जाति पंचायत के सदस्य केले के एक पत्ते पर थूकते और पीड़िता सजा के तौर पर उसे चाटती। इसके अलावा पंचायत ने पीड़िता को एक लाख रुपये देने को भी कहा। अधिकारी ने शिकायत के हवाले से बताया कि पंचायत की इन शर्तों को पूरा करने के बाद पीड़िता उसके समुदाय में 'लौट' सकती है।

ई-कामर्स कंपनी से माऊथवाश मंगाया, आ गया मोबाइल फोन

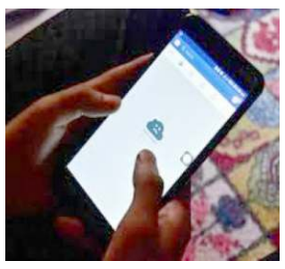

मुंबई। ई-कॉमर्स वेबसाइट पर मंहगे सामान की जगह ईट, पत्थर या नकली सामान मिलने की शिकायतें तो अक्सर आतीं रहतीं हैं लेकिन मुंबई के एक व्यक्ति के साथ बिल्कुल उलट अनुभव हुआ। ट्वीटर के जरिए अपनी परेशानी साझा करते हुए लोकेश डागा नाम के व्यक्ति ने लिखा है कि उन्होंने कोलगेट कंपनी का माउथ वाश मंगाया था लेकिन इसकी जगह उन्हें रेडमी 10 फोन मिल गया। डागा इसलिए परेशान थे कि माउथवाश का आर्डर कैंसिल करने की भी सुविधा नहीं थी। इसलिए उन्होंने अमेजॉन को ट्वीट कर इस गड़बड़ी की जानकारी दी। डागा ने एक और ट्वीट किया है जिसमें उन्होंने पैकेट के नीचे मौजूद एक बिल की तस्वीर साझा की है जिससे पता चलता है कि फोन दरअसल तेलंगाना के किसी व्यक्ति ने ऑर्डर किया था लेकिन वह उनके पास आ गया। डागा ने लिखा कि वे चाहतें हैं कि फोन इसे ऑर्डर देने वाले व्यक्ति के पास पहुंच जाए। डागा ने 4 बोतल माउथवाश के लिए 10 मई को ऑर्डर दिया था और इसकी कीमत 396 रुपए थी। गुरूवार को उनके पास डिलिवरी आई तो पैकेट खोलने के बाद वे हैरान रह गए क्योंकि उसमें रेडमी 10 फोन था जिसकी कीमत 13 हजार रुपए थी। ई-कॉमर्स वेबसाइट के नियमों के मुकाबिक माउथवॉश जैसे उत्पादों को वापस नहीं किया जा सकता इसलिए डागा ने शिकायत के लिए ट्विटर का सहारा लिया और उन्होंने टैग कर ईकॉमर्स वेबसाइट को इसकी जानकारी दी। उन्होंने खुद को मिले फोन और अपने ऑर्डर की तस्वीरें पोस्ट कीं। साथ ही कंपनी से अनुरोध किया कि वह मोबाइल सही खरीदार तक पहुंचाए।

फर्जी आईडी पर जारी है लोकल ट्रेन में यात्रा, रेलवे ने 15 दिन में की 750 लोगों पर कार्रवाई

मुंबई, महाराष्ट्र सरकार की गाइडलाइंस के बावजूद कई लोग फर्जी पहचान पत्र बनाकर लोकल ट्रेनों में यात्रा कर रहे हैं। अत्यावश्यक सेवाओं से जुड़े लोगों को ही लोकल ट्रेन में सफर करने की अनुमति राज्य सरकार ने फिलहाल दी है। फर्जी यात्रियों पर कार्रवाई करने की जिम्मेदारी रेलवे की है। मध्य रेलवे ने पिछले 15 दिनों में करीब 750 लोगों पर कार्रवाई की है। इनमें बेटिकट यात्री और फर्जी पहचान पत्र से यात्रा करने वाले लोग शामिल हैं। कोरोना के चलते पिछले साल मार्च में लॉकडाउन लगने के साथ ही लोकल ट्रेन बंद कर दी गई थी। जून 2020 में लोकल ट्रेन फिर से शुरू की गई तब सफर करने के लिए केवल अत्यावश्यक सेवाओं से जुड़े यात्रियों को ही अनुमति दी गई थी। इसके बाद धीरे-धीरे अन्य श्रेणी के यात्रियों को भी अनुमति दी गई थी, लेकिन आम मुंबईकरों को लोकल ट्रेन में सफर करने का मौका नहीं मिला था। कुछ समय के लिए आम लोगों को लोकल में सफर की अनुमति दी भी गई थी, तो वह शर्तों पर थी। ऐसे में आम मुंबईकर बिना टिकट या शर्तों का उल्लंघन करके लोकल का सफर करते हुए पकड़े जा रहे थे। कोरोना की दूसरी लहर के साथ ही रेलवे ने लोकल ट्रेन में एक बार फिर से कई प्रतिबंध लगा दिए हैं। फिलहाल रेलवे केवल पहचान पत्र के आधार पर ही यात्रियों को टिकट दे रही है।

बनाने लगे फर्जी पहचान पत्र

कोरोना की पहली लहर के दौरान लोकल में प्रतिबंध के बाद कई मामले सामने आए, जिनमें यात्री फर्जी पहचान पत्र के आधार पर टिकट खरीदने की कोशिश कर रहे थे। ऐसे यात्रियों पर रेलवे ने जुर्माना लगाया था। कोरोना की इस दूसरी लहर में भी सर्वसामान्य मुंबईकरों को लोकल में सफर करने की बंदिश है। ऐसे में आम मुंबईकर बिना टिकट ही लोकल में सफर करते पाए जा रहे हैं। 15 दिनों में मध्य रेलवे ने ऐसे 750 यात्रियों को पकड़ा है। बिना टिकट पकड़े गए प्रत्येक यात्री से ₹500 रुपये जुर्माना वसूला गया है। इस तरह से 3 लाख, 75 हजार रुपये जुर्माने की कुल राशि वसूली गई है। ये करवाई सर्वाधिक सीएसएमटी, कुर्ला, घाटकोपर, दादर, ठाणे आदि स्टेशनों पर हुई है। वहीं 17 अप्रैल से अब तक बिना मास्क लोकल में सफर करने वालों पर रेलवे ने 800 से अधिक लोगों पर कार्रवाई कर जुर्माना लगाया है।

ऑक्सीजन ढुलाई के लिए रेलवे को एक करोड़ एडवांस

मुंबई। प्रदेश सरकार ने देश के दूसरे प्रदेशों से महाराष्ट्र में रेल मार्ग से आने वाले ऑक्सीजन टैंकर के परिवहन के लिए भारतीय रेलवे को एक करोड़ रुपए अग्रिम उपलब्ध कराने को मंजूरी दी है। शुक्रवार को राज्य के राजस्व विभाग के कार्यसन अधिकारी उदय गवस ने इस बारे में शासनादेश जारी किया है। इसके अनुसार रेलवे ने ऑक्सीजन टैंकर के परिवहन के लिए अग्रिम राशि जमा करने की कार्यवाही के लिए सरकार को सूचित किया था। इसके मद्देनजर सरकार की राज्य कार्यकारी समिति ने 6 मई की बैठक में रेलवे को एक करोड़ रुपए उपलब्ध कराने की स्वीकृति दी थी। सरकार ने मुंबई के परिवहन आयुक्त अविनाश ढाकणे को राज्य आपदा प्रतिसाद निधि से एक करोड़ रुपए उपलब्ध कराने को मंजूरी दी गई है। परिवहन आयुक्त रेलवे को एक करोड़ रुपए अग्रिम राशि उपलब्ध कराएंगे। यदि एक करोड़ रुपए पूरी अग्रिम राशि टैंकरों के परिवहन के कामों में खर्च नहीं हुई तो परिवहन आयुक्त पर रेलवे से बची हुई राशि को वापस लेनी की जिम्मेदारी होगी।

चीनी मिलों में ऑक्सीजन तैयार करने को लेकर गडकरी ने चेताया

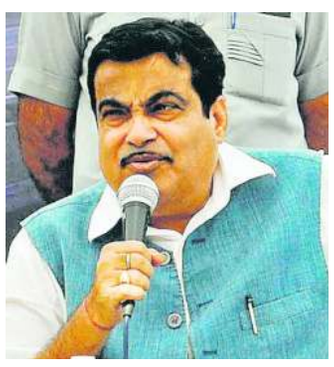

मुंबई। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने राज्य के चीनी कारखानों में डिस्टलरीउत्पादन बंद करके ऑक्सीजन तैयार करने को लेकर प्रदेश सरकार को चेताया है। उन्होंने कहा कि डिस्टलरी केउत्पादन रोककर ऑक्सीजन तैयार किया गया तो चीनी कारखानों के लिए बड़ी मुश्किल होगी। क्योंकि फिलहाल चीनी कारखानों के डिस्टलरी उत्पादन का उद्योग जीवन के सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है।

शुक्रवार को मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने उस्मानाबाद के कलंब तहसील के चोराखली स्थित धाराशिव चीनी कारखाना के ऑक्सीजन उत्पादन परियोजना का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उद्घाटन किया है। यह चीनी कारखाना इथेनॉल परियोजना में बदलाव कर ऑक्सीजन उत्पादन करने वाला देश का पहला कारखाना है। इस कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि चीनी मिलों की आर्थिक स्थिति काफी खराब है। मैंने पूर्व जन्म में कुछ पाप किया था। इसलिए मेरे गले में तीन चीनी कारखानेपड़े हुए हैं, जिसको मैं चला रहा हूं।उपमुख्यमंत्री अजित पवार, जलसंसाधन मंत्री जयंत पाटील और स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे चीनी कारखाना चलाते हैं उन्हें इसका दुख अच्छी तरह पता है। गडकरी ने कहा कि फिलहाल कोरोना संकट के कारण डिस्टलरी उत्पादन बंद कर ऑक्सीजन तैयार करना सही हो सकता है लेकिन लंबे समय तक डिस्टलरी उत्पादन बंद किया गया तो चीनी कारखानों को ब्याज की किश्त भरना मुश्किल हो जाएगा। यदि डिस्टलरी का उत्पादन जारी रखते हुए बायो प्रोडक्ट के रूप में ऑक्सीजन तैयार किया गया तो ठीक रहेगा। गडकरी ने कहा कि राज्य में चीनी का भंडारण काफी अधिक है। इसलिए चीनी कारखानों को बी-टाइप भारी शीरे (बी-हेवी मोलैसेस) में 10 की बजाय अब 20 प्रतिशत शक्कर मिलाना चाहिए। इस पर केंद्र सरकार से अनुमति के लिए राज्य सरकार को प्रस्ताव भेजना चाहिए। गडकरी ने कहा कि मैं केद्र सरकार सेबी-टाइप भारी शीरे से बनने वाले इथेनॉल के लिए60 रुपए प्रति लीटर की दर देने की मांग कर रहा हूं। इससे देश में 60 लाख टन और महाराष्ट्र की 25 लाख टन चीनीका भंडारण कम होगा।

स्टील प्लांट पर भरोसा नहीं किया जा सकता

गडकरी ने कहा कि राज्य में ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए स्टील प्लांट पर भरोसा नहीं किया जा सकता है। क्योंकि एक ही समय में पूरे देश से मांग आने लगी तो स्टील प्लांट ऑक्सीजन का कोटा कम कर सकते हैं। इसलिए हर जिले में ऑक्सीजन उत्पादन की स्वतंत्र परियोजना लगाई जानी चाहिए। राज्य सरकार को 50 बिस्तर वाले अस्पतालों को हवा से ऑक्सीजन तैयार करने की परियोजना लगानाअनिवार्य करना चाहिए। जबकि 50 से कम बिस्तर वाले अस्पतालों को सिलेंडर से ऑक्सीजन से दिया जा सकता है।

हेयर फॉल रोकने और दिमाग शांत रखने के लिए इन पांच आयुर्वेदिक तेलों से करें चम्पी

सोनल झालावाड़िया

भागती-दौड़ती जिंदगी में अक्सर हमें थकान महसूस होती रहती है। साथ ही हम बहुत सी चीजों पर प्रतिक्रिया न देकर अपने अंदर ऊर्जा रखते रहते हैं, जो एक समय बाद हमें अंदर ही अंदर परेशान करना शुरू कर देती है। बहुत से लोग हमेशा सिरदर्द की चपेट में रहते हैं, इसके पीछे यह कारण भी अहम होता हैऐसे में बेहद जरूरी है कि आप मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू करें। वहीं, अगर आपको हमेशा थकान रहती है और किसी भी वजह से नींद नहीं आती, कुछ आयुर्वेदिक ऐसे होते हैं, जो आपकी थकान मिटा देते हैं।

लैवेंडर ऑयल

इसकी महक आपको सुलाने के अलावा आपके मन में हो रही उथल-पुथल को भी काफी हद तक शांत कर देती हैआप इससे मसाज करने के लिए आप दो चम्मच कैस्टर ऑयल लें और उसमें एसेंशियल लैवेंडर ऑयल की कुछ बूंदे मिला लें। तैयार मिक्स ऑयल से पूरी बॉडी की मसाज लें। इससे चेहरे पर पिम्पल की समस्या भी दूर होती है।

कैमोमाइल ऑयल

महिलाओं में पीरियड के दौरान होने वाले दर्द से इस तेल को लगाने से राहत मिलती हैआप इस तेल को लगाकर आंखें बंद करके लेट जाएंगे, तो आपको आराम महसूस होगा। मार्केट में दो तरह का कैमोमाइल तेल मिलते हैं, जिसे बॉडी पर अप्लाई किया जा सकता है। यह है रोमन कैमोमाइल तेल और जर्मन कैमोमाइल तेलादोनों ही फायदेमंद हैंइसे बबूने का फूल भी कहा जाता है।

यूकेलिपटिस ऑयल

यूकेलिपटिस ऑयल भी दिमाग और शरीर की थकान, दर्द और ऐंठन में राहत दिलानेवाला होता है। यह शरीर की सूजन को कम करता है। इसमें एंटीबॉयोटिक्स प्रॉपटी होती है, जो आपके चेहरे के लिए लाभदायक होती है।

पिपरमेंट ऑयल

यह ऑयल थकान उतारने के साथ ही पेट दर्द, पेट में ऐंठन, महिलाओं में पीरियड्स पेन, सिर दर्द, कमर के निचले हिस्से में दर्द आदि से तुरंत राहत देता है। इस तेल को लगाने से आपको थोड़ी जलन हो सकती है इसलिए इस तेल को नारियल तेल के साथ मिक्स करके लगाना चाहिए।

रोजमेरी ऑयल

रोजमेरी ऑयल की भाप लेने से सिरदर्द में तुरंत आराम मिलता है। यह जोड़ों के दर्द में राहत देने का काम भी करता है। आप इस तेल को सोने के लिए भी इस्तेमाल कर सकते हैं यानी आप अपनी तकिया पर इसकी कुछ बूंदें छिड़ककर सो सकते हैं।

चिंताजनक- कोरोना से उबरे लोगों के लिए ब्लैक फंगस बना जान का दुश्मन, बचाव के लिए इन बातों का रखें खास ख्याल

संजय शर्मा

स्टेरॉयड के ओवरडोज के बल पर कोरोना से उबर चुके मधुमेह ग्रसित लोगों के लिए ब्लैक फंगस जान का दुश्मन बन रहा है। चिकित्सक कोरोना की दूसरी लहर के बाद ब्लैक फंगस के विस्फोट की आशंका जता रहे हैं। इसका ठोस आधार है। सर्वे के मुताबिक भारत में हर दसवां व्यक्ति शुगर का रोगी है। इनमें से आधे लोगों को पता ही नहीं कि वे शुगर से ग्रसित हैं।

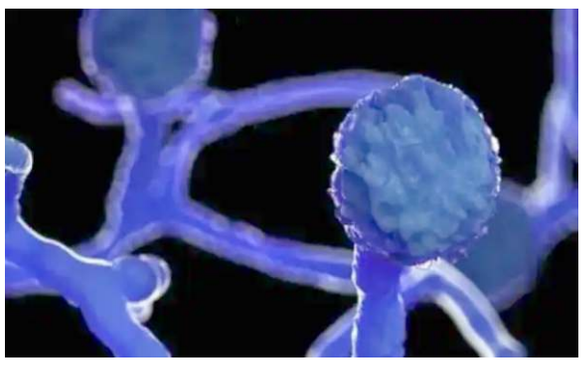

दूसरी लहर ने जिस तादाद में लोगों को जद में लिया है, उससे ब्लैक फंगस के विस्फोट की आशंका को बल मिलना स्वाभाविक है। सिर्फ बनारस की बात करें तो बीते एक सप्ताह में 20 से अधिक ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। ये आंकड़े सिर्फ बीएचयू के हैं।

आईएमएस के ईएनटी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुशील अग्रवाल का कहना है कि बहुत से लोग होम आइसोलेट होकर कोरोना का उपचार में स्टेरॉयड के हाईडोज ले रहे हैं। उनके संपर्क में जो 20 रोगी अब तक आए हैं उनमें से 12 रोगी होम आइसोलेट थे। समय के साथ ब्लैक फंगस के मामलों में वृद्धि भी होती जाएगी।

भारत में हर दसवां व्यक्ति मधुमेह का रोगी

विश्व स्वाथ्य संगठन के आंकड़ों के मुताबिक भारत में शुगर पेशेंट सर्वाधिक हैं। डब्ल्यूएचओ ने यह दिशा निर्देश जारी किए थे कि कोरोना संक्रमितों के उपचार में स्टेरॉयड का इस्तेमाल कम से कम हो। ओवरडोज की मनाही की थी, लेकिन इसका ठीक उल्टा हुआ। ज्यादातर संक्रमितों ने इस बात का ध्यान नहीं रखा कि वह शुगर पेशेंट हैं या नहीं।

हाईजीन का ध्यान रखना जरूरी

डॉ. अग्रवाल ने बताया कि होम आइसोलेट हुए कोराना रोगी हाईजीन मेंटेन करें। ऑक्सीजन मास्क की सफाई नियमित करें। नाक साफ रखें। गरम पानी की भाप लें और सुबह शाम गरारा करते रहें। हाई प्रोटीन डाइट उनके लिए बहुत जरूरी है।

किडनी पर भी गहरा असर

वहीं डॉ. विमलकांत सिंह कहते हैं कि कोराना के उपचार में कुछ दवाएं ऐसी भी इस्तेमाल हो रही हैं, जिनका साइड इफेक्ट किडनी पर पड़ रहा है। यदि कोरोना रोगी पहले से किडनी की बीमारी से ग्रसित है तो उसपर इन दवाओं का दुष्प्रभाव अधिक होगा।

मधुमेह के रोगियों को स्टेरॉयड देने से उनका इम्युनिटी पावर तेजी से कम हो रहा है। इसके कारण ब्लैक फंगस का प्रकोप उनपर तेजी से होगा। ऐसे लोग शुगर की नियमित जांच कराते रहें। शुगर नहीं बढ़ेगा तो ब्लैक फंगस से संक्रमित होने की आशंका भी कम हो जाएगी।

खाने में हरा धनिया डालने के पांच जबरदस्त फायदे

किसी भी डिश की महक और स्वाद को बढ़ाने के लिए हरे धनिए का खूब इस्तेमाल किया जाता है। हरा धनिया डालने से आपकी हर डिश बहुत ही टेम्पटिंग लगती हैं। खाने का स्वाद बढ़ाने वाली ये मैजिक पत्तियां फायदों से भी भरपूर हैं। आइए, जान लेते हैं इसके फायदे-

इन पोषक तत्वों से भरा है धनिया

प्रोटीन, वसा, फाइबर, कार्बोहाइड्रेट, मिनरल होते हैं। इसके अलावा हरे धनिया में कैल्शियम, फास्फोरस, आयरन, कैरोटीन, थियामीन, पोटोशियम और विटामिन सी भी पाया जाता हैं।

डायबिटीज में फायदेमंद

हरा धनिया ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने के लिए रामबाण माना जाता है। डाइबिटीज रोगियों के लिए हरा धनिया किसी जड़ी-बूटी से कम नहीं है। इसके नियमित सेवन से ब्लड में इंसुलिन की मात्रा को कंट्रोल किया जा सकता है।

पाचन शक्ति बढ़ाने में कारगर

हरा धनिया न सिर्फ पेट की समस्याओं को दूर करने में फायदा देता है बल्कि यह आपकी पाचन शक्ति को बढ़ाने में भी लाभकारी हो सकता है। पेट की समस्याओं जैसे पेट में दर्द होने पर आधा गिलास पानी में दो चम्मच धनिया डालकर पीने से पेट दर्द से राहत मिल सकती है।

एनीमिया से दिलाए राहत

धनिया आपके शरीर में खून को बढ़ाने में तो फायदेमंद होता ही है, साथ ही यह आयरन से भरपूर होता है। इसलिए यह एनीमिया को दूर करने में फायदेमंद हो सकता है। साथ ही एंटीऑक्सीएडेंट, मिनरल, विटामिन ए और सी से भरपूर होने के कारण धनिया कैंसर से भी बचाव करता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाता है

हरे धनिया विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है जो आंखों के लिए काफी फायदेमंद माना जाता है।

रोजाना हरे धनिए का सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है।

कोलेस्ट्रॉल को करता है कम

हरा धनिया न सिर्फ खाने को महक देता है बल्कि यह आपके कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में फायदेमंद हो सकता है। हरे धनिए में ऐसे तत्व पाए जाते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल को कम कर सकते हैं।

इसके लिए कोलेस्ट्रॉल से पीड़ित व्यक्ति को धनिया के बीजों को उबालकर इसके पानी को पीना फायदेमंद हो सकता है।

लड़कों की तुलना में लड़कियों के लिए मोटापा ज्यादा खतरनाक, बढ़ जाता है हृदय रोगों का खतरा

एक नए अध्ययन में पाया गया कि लड़कों की तुलना में लड़कियों के लिए मोटापा ज्यादा घातक है। शोधकर्ताओं ने कहा कि मोटापाग्रस्त लड़कियों में चयापचय संबंधी परिवर्तन विकसित होने की संभावना अधिक होती है, जैसे उच्च रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स का अत्यधिक स्तर। इससे उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनमें हृदयरोगों का जोखिम भी बढ़ जाता है।

लिपिड प्रोफाइल में परिवर्तन देखने को मिला: यह अध्ययन एफएपीईएसपी के साथ साओ पाउलो विश्वविद्यालय के बायोमेडिकल साइंसेज इंस्टीट्यूट (आईसीबी-यूएसपी) और सांता कासा डी मैसरिसोर्डिया डी मेडिकल कॉलेज ऑफ मेडिकल के शोधकर्ताओं ने किया है। ब्राजील में 92 प्रतिभागियों को इस अध्ययन में शामिल किया गया।

शोधकर्ताओं ने कहा कि मोटापे से ग्रस्त लड़कियों में लिपिड प्रोफाइल में परिवर्तन देखे गए जो कि सामान्य वजन वाली लड़कियों में देखने को नहीं मिले। इसके अलावा मोटापाग्रस्त लड़कियों में वयस्क होने पर हृदयरोगों के विकसित होने की उच्च प्रवृत्ति पाई गई है।

जर्नल फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित इस अध्ययन के निष्कर्ष जर्नल फ्रंटियर्स इन न्यूट्रिशन में प्रकाशित किए गए हैं। प्रमुख लेखक एस्टेफेनिया सिमोंस ने बताया कि हमने पाया कि मोटापाग्रस्त लड़कियों में एलडीएल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर में वृद्धि पाई गई, जो तथाकथित 'खराब कोलेस्ट्रॉल' होता है। इनमें सामान्य वजन वाली लड़कियों की तुलना में एचडीएल, जिसे 'अच्छा कोलेस्ट्रॉल' कहा जाता है कम होता है। लड़कों के लिपिड प्रोफाइल से तुलना : शोधकर्ताओं के अनुसार, मोटोपे से पीड़ित लड़कियों में लिपिड प्रोफाइल में परिवर्तनों की तुलना जब मोटापाग्रस्त लड़कों से की गई तो पाया गया कि मोटे लड़कों की अपेक्षा मोटी लड़कियां हृदयरोगों के ज्यादा जोखिम में थीं। न्यूरोइमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल किया

सिमोंस के अनुसार, यह अपनी तरह का पहला अध्ययन है जिसमें हमने 11 से 18 वर्ष की आयु के मोटे और गैर-मोटे लड़कियों व लड़कों में वयस्क अवस्था में होने वाले हृदयरोगों की तुलना की। हमने न्यूरोइमेजिंग का उपयोग करते हुए यह पता लगाने की कोशिश की कि मोटापे से ग्रस्त लड़के और लड़कियों में संतुष्टि और भूख से जुड़े मस्तिष्क क्षेत्रों में क्या परिवर्तन होते हैं। इसके बाद प्रतिभागियों में रक्तचाप का स्तर मापा और रक्त के नमूनों का विश्लेषण किया। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, वैश्विक स्तर पर 2016 में अनुमानित पांच से 19 वर्ष के 340 मिलियन बच्चे मोटे थे।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए मई का यह सप्ताह पहले से कुछ राहतभरा रहेगा। शारीरिक और मानसिक रूप से परेशानियां कम होंगी। स्वयं या किसी स्वजन के स्वास्थ्य कारणों से जो दौड़धूप करनी पड़ रही थी वह कम होगी। आर्थिक परेशानी में भी उचित हल मिलेगा। नौकरीपेशा और कारोबारियों को कार्य में गति होती दिखेगी।

वृषभ : इस सप्ताह आप अपनी शक्तियों और क्षमताओं का भरपूर प्रयोग करेंगे और आपको जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। पिछले एक-दो हफ्ते से परिवार में जो संकट चल रहा था वह भी अब कम होगा और आपको पुरानी बातों को भुलाकर आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान इस सप्ताह भी रखना होगा।

मिथुन : सप्ताह की शुरुआत किसी शुभ और मांगलिक समाचार से होगी। परिवार में कोई शुभ कार्य होगा। भाई-बहनों से चल रहा मतभेद दूर होगा और पूरा परिवार एक बार फिर साथ मिलकर खुशी से रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूती की ओर बढ़ रही है। कार्यों में गति मिलेगी। नौकरीपेशा को लाभ, बिजनेस में उन्नति होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क : रिश्तों और संबंधों का भरपूर लाभ उठाएंगे। उच्चाधिकारियों से पूरा सहयोग मिलेगा। अधीनस्थों को साथ लेकर चलना होगा। अहं की भावना का त्याग करेंगे तो सभी का साथ पाएंगे। परिवार में किसी से मनमुटाव हो तो तुरंत दूर कर लें। लंबे समय की नाराजगी ठीक नहीं। बिजनेस की बात करें तो सप्ताह थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है।

सिंह : अपने क्रोधी स्वभाव पर थोड़ा काबू करना सीखें। घर-परिवार, मित्रों के साथ कोई अनबन वाली बात हो तो उसे आपस में बातचीत करके सुलझा लें। बातों को लंबा खींचना ठीक नहीं रहेगा। भाईयों से संपत्ति को लेकर विवाद हो सकता है। नौकरी और कारोबार की बात करें तो अभी समय शांति से कार्य करने का है। कोई बदलाव करने का न सोचें।

कन्या : इस सप्ताह आपके मान-सम्मान, प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बनेंगे। आप जहां भी, जो भी कार्य कर रहे हों उसमें आपको प्रतिष्ठित मानते हुए लोग आपके साथ जुड़ेंगे। आप अपनी कार्यक्षमताओं का भरपूर उपयोग करते हुए तरक्की के रास्ते पर अग्रसर होंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा और आपके निर्णय को सर्वत्र सराहना मिलेगी।

तुला : आर्थिक संकटों का हल इस सप्ताह मिलने वाला है। आकस्मिक रूप से कोई धन लाभ हो सकता है। पुराना दिया हुआ पैसा लौट आएगा। नया निवेश करेंगे और उससे भी लाभ अर्जित करेंगे। पारिवारिक जीवन सुखद रहेगा। माता-पिता, सास-ससुर और समस्त स्वजनों का सहयोग मिलेगा। नौकरी और कारोबारियों को लाभ होगा।

वृश्चिक : आपके लिए सलाह है किछोटी-छोटी बातों पर क्रोध करना छोड़ दें वरना रिश्ते खराब होते देर नहीं लगेगी। इस सप्ताह परिवार में या कार्य स्थल पर कई ऐसी बातें होंगी जिनसे आपको गुस्सा आएगा, लेकिन संयम से काम लें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। कार्य को लेकर भागदौड़ रहेगी। मानसिक और शारीरिक रूप से कमजोर महसूस कर सकते हैं।

धनु : इस सप्ताह आपको संबंधों का भरपूर लाभ मिलेगा। कोई ऐसा काम जिसमें एप्रोच की जरूरत होगी तो लोग आपको सपोर्ट करेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा लेकिन मानसिक स्थिति थोड़ी विचलित हो सकती है क्योंकिआपके कई काम अटक भी सकते हैं। आर्थिक स्थिति सामान्य रहेगी। पैसों का आगमन सामान्य रूप से होता रहेगा।

मकर : कार्य व्यवसाय के लिहाज से सप्ताह शुभ है। सारे काम आसानी से और सामान्य गति से संपन्न हो जाएंगे। नौकरीपेशा को कार्य की सराहना मिलेगी। कारोबारियों को कार्य विस्तार का लाभ मिलेगा। इस सप्ताह आपको कोई ऐसा नया या पुराना मित्र मिलेगा जो आपके लिए जीवनभर बहुत सहयोगात्मक रहेगा।

कुंभ : अपने कार्यों को गति देने के प्रयास आपको स्वयं करने होंगे। कोई और आपका सहयोग नहीं करेगा। मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। आर्थिक मजबूती की ओर अग्रसर होंगे। बिजनेस में उतार-चढ़ाव के बावजूद बेहतर स्थिति में रहेंगे। नौकरी में उन्नति के संभावनाएं हैं। इसके लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी।

मीन : सप्ताह तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद आपके लिए बेहतर साबित होगा। आर्थिक, पारिवारिक, सामाजिक, स्वास्थ्य आदि के मामले में सुखद रहेगा। नौकरीपेशा को तरक्की मिलेगी। कारोबारियों को लाभ मिलेगा। बिजनेस को आगे बढ़ाने की योजना साकार होगी। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।

चुटकुले

सोनू- लड़कियां कभी खुद प्यार का इजहार नहीं करतीं?
मोनू - क्यों?
सोनू - ताकि ब्रेकअप करते समय वो ये कह सकें कि
तुम ही मेरे पीछे पड़े थे, मैं नहीं

गर्लफ्रेंड ने ऊंगली के इशारे से बॉयफ्रेंड को बुलाया
बॉयफ्रेंड - बोलो क्या काम है?
गर्लफ्रेंड- कुछ नहीं, बस ऊंगली की ताकत चेक कर रही थी

यूपी सरकार की अडवाइजरी, बताया क्या है ब्लैक फंगस, लक्षण और क्या बरतें सावधानियां

लखनऊ, कोरोना वायरस से लड़ रहे उत्तर प्रदेश में अब ब्लैक फंगस के केस बढ़ने लगे हैं। कानपुर, लखनऊ, मथुरा समेत कई जिलों में ब्लैक फंसगस के मामले सामने आए हैं। यूपी में अब तक ब्लैक फंगस से चार से ज्यादा मरीजों की मौत हो चुकी है। बढ़ रहे मामलों को देखते हुए योगी सरकार ने लोगों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

विशेषज्ञों ने बताया कि कोविड के बाद ब्लैक फंगस या म्यूकरमाइकोसिस लोगों को घेर रहा है। इस रोग में काले रंग की फंगस नाक, साइनस, आंख और दिमाग में फैलकर उन्हें नष्ट कर रही है और मरीजों की जान पर बन रही है।किसे हो सकता है ब्लैक फंगस? - कोविड के दौरान जिन्हें स्टेरॉयड दवाएं दी गई हों। जिन्हें डेक्सामिथाजोन, मिथाइल, प्रेडनिसोलोन आदि दी गई हों।

- कोविड मरीज को ऑक्सिजन पर रखना पड़ा हो या आईसीयू में रखना पड़ा हो।
- कैंसर, किडनी, ट्रांसप्लांट आदि की दवाएं चल रही हों।

ब्लैक फंगस के लक्षण

- बुखार आ रहा हो, सर दर्द हो रहा हो, खांसी हो या सांस फूल रही हो।
- नाक बंद हो। नाक में म्यूकस के साथ खून आ रहा हो।
- आंख में दर्द हो। आंख फूल जाए, दो दिख रहा हो या दिखना बंद हो जाए।
- चेहरे में एक तरफ दर्द हो, सूजन हो या सुन्न हो।
- दांत में दर्द हो, दांत हिलने लगें, चबानी में दर्द हो।
- उल्टी में या खांसने पर बलगम में खून आए।

क्या करें

ब्लैक फंगस के कोई लक्षण नर आए तो तत्काल सरकारी अस्पताल में या किसी अन्य विशेषज्ञ डॉक्टर को दिखाएं। नाक, कान, गले, आंख, मेडिसिन, चिस्ट या प्लास्टिक सर्जन विशेषज्ञ को तुरंत दिखाएं ताकि जल्दी इलाज शुरू हो सके।

सावधानियां

- खुद या किसी गैर विशेषज्ञ डॉक्टर के, दोस्त, मित्रों, रिश्तेदारों के कहने पर स्टेरॉयड दवा कतई शुरू न करें।
- लक्षण के पहले 5 से 7 दिनों में स्टेरॉयड देने के दुष्परिणाम हो सकते हैं। बीमारी शुरू होते स्टेरॉयड शुरू न करें। इससे बीमारी बढ़ सकती है।
- स्टेरॉयड का प्रयोग विशेषज्ञ डॉक्टर, कुछ ही मरीजों को केवल 5 से 10 दिनों के लिए देते हैं, वह भी बीमारी शुरू होने के 5 से 7 दिनों बाद, केवल गंभीर मरीजों को।

इससे पहले बहुत सी जांचें होना जरूरी हैं।

- इलाज शुरू होने पर डॉक्टर से पूछें की इन दवाओं में स्टेरॉयड तो नहीं है, अगर है तो ये दवाएं मुझे क्यों दी जा रही हैं।
- स्टेरॉयड शुरू होने पर विशेषज्ञ डॉक्टर के नियमित संपर्क में रहें।
- घर पर अगर ऑक्सिजन लगाया जा रहा है तो उसकी बोतल में उबालकर ठंडा किया हुआ पानी डालें या नॉर्मल सलाइन डालें बेहतर हो अस्पताल में भर्ती हों।

पश्चिम बंगाल में 15 दिनों का फुल लॉकडाउन, जानिए क्या खुला रहेगा, क्या बंद

कोलकाता, कोरोना संक्रमण के कहर के बीच पश्चिम बंगाल में 15 दिनों का संपूर्ण लॉकडाउन का ऐलान किया गया है। राज्य में शुक्रवार को एक दिन में सर्वाधिक 20,846 मामले सामने आए। वहीं 136 लोगों की मौत हो गई। राज्य में ऑक्सिजन और अस्पताल बेड की बढ़ती मांग के बीच राज्य ने कड़ी पाबंदियां लगाने का फैसला लिया। जानिए लॉकडाउन के दौरान क्या खुला रहेगा और क्या बंद-

सभी स्कूल, कॉलेज, यूनिवर्सिटी, पॉलिटेक्निक, आईटीआई, आंगनबाड़ी केंद्र और दूसरे शिक्षण संस्थान 30 मई तक बंद।

सभी सरकारी ऑफिस और प्राइवेट संस्थान बंद रहेंगे। सिर्फ जरूरी सेवाओं जैसे हेल्थ केयर, पशुचिकित्सक सेवा, कानून-व्यवस्था, न्यायालय, सामाजिक कल्याण गृह, करेक्शनल सर्विस, पावर, पेयजल सप्लाइ, टेलिकॉम, इंटरनेट, प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, अग्निशमन, आपदा प्रबंधन और सिविल डिफेंस, सैनिटाइजेशन, सीवरेज और अंतिम संस्कार सेवा।

शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, मॉल, मार्केट कॉम्प्लेक्स, स्पा, ब्यूटी पार्लर, सिनेमा हॉल, रेस्तरां, बार स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स, जिम, स्विमिंग पूल बंद रहेंगे।

रिटेल शॉप और सप्लाइ, बाजार और सब्जी, फल, ग्रॉसरी मिल्क, ब्रेड, मीट और अंडे की दुकानें सुबह 7 बज से 10 बजे तक दुकानें खुलेंगी।

स्वीटमीट दुकानें सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुलेंगी।

जूलरी और साड़ी की दुकानें दोपहर 12 बजे से 3 बजे खोली जा सकती हैं।

मेडिसिन दुकानें और ऑप्टिकल शॉप सामान्य कामकाजी घंटे के दौरान खुली रहेंगी।

पार्क, चिड़ियाघर, सेंचुरी आम लोगों के लिए बंद रहेंगे। सिर्फ रखरखाव के लिए खोले जाएंगे।

सभी अंतर्राज्यीय लोकल ट्रेन, मेट्रो रेलवे और अंतर्राज्यीय बस सेवा और अंतर्देशीय जल परिवहन सेवाएं बंद रहेंगी। सिर्फ इमर्जेंसी और जरूरी सेवाओं की अनुमति रहेगी।

प्राइवेट वाहनों, टैक्सी, ऑटो रिक्शा का उपयोग निषेध रहेगा। सिर्फ अस्पताल, नर्सिंग होम, डायग्नोस्टिक केंद्र, क्लीनिक, वैक्सिनेशन सेंटर, एयरपोर्ट, टर्मिनल पॉइंट, मीडिया हाउस वगैरह जाने के लिए वाहन ले जाने की अनुमति रहेगी।

सभी प्रशासनिक, अकैडमिक, एंटरटेनमेंट, पॉलिटिकल, कल्चरल और धार्मिक गतिविधियों पर रोक रहेगी।

सभी इंडस्ट्री और मैन्युफैक्चरिंग यूनिट बंद रहेंगी। सिर्फ मेडिकल सप्लाइ, कोविड प्रोटेक्टिव सप्लाइ, हेल्थ और हाइजीन केयर प्रोडक्ट, ऑक्सिजन और ऑक्सिजन सिलिंडर की इंडस्ट्री खुली रहेंगी।

टी गार्डन का संचालन प्रत्येक शिफ्ट में 50 फीसदी क्षमता के साथ होगा।

जूट मिलों का संचालन प्रत्येक शिफ्ट 30 फीसदी क्षमता के साथ होगा।

ई-कॉमर्स और सभी सामानों की होम डिलिवरी की अनुमति रहेगी।

दिल्ली में कम हुई कोरोना की रफ्तार 24 घंटे में 6500 केस, आज से ऑक्सिजन कन्सन्ट्रेटर बैंक शुरु

नई दिल्ली, दिल्ली में कोरोना संक्रमण के हालात में सुधार देखने को मिल रहा है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि राजधानी में आज कोरोना के केस और भी कम आए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले 24 घंटे में 6.5 हजार केस आए है। कल 8.5 केस आए थे। राजधानी में कोरोना संक्रमण दर 36 परसेंट के लेवल से घटते-घटते 11 परसेंट तक पहुंच गई है।

धीरे-धीरे संक्रमण दर हो रही कम

सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में धीरे धीरे संक्रमण दर कम हो रही है। उन्होंने कहा कि भगवान से प्रार्थना है कि यह 0 हो जाए। केजरीवाल ने कहा कि कल 500 आईसीयू बेड और तैयार हो गए, केवल 15 दिनों 1000 आईसीयू बेड तैयार कर दिये, हर व्यक्ति आश्चर्य कर रहा है। सीएम ने कहा कि हमारे डॉक्टर और इंजीनियर्स को

सलाम करता हूं। ऑक्सिजन कॉन्सन्ट्रेटर्स बैंक की शुरुआत मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम लोग आज से जरूरी सेवा शुरू कर रहे हैं। आज से ऑक्सिजन कॉन्सनट्रेटर्स बैंक शुरू कर रहे हैं। ये क्या है, इसकी क्या जरूरत है? क्या आम आएगा...? सीएम केजरीवाल ने कहा कि अक्सर देखा गया है कि किसी को तुरंत ऑक्सिजन मिल जाए, तो तबीयत बिगड़ने से बचाया जा सकता है। कई बार आईसीयू तक ले जाना पड़ता है। बाद में मौत भी हो जाती है। मरीज को समय पर ऑक्सिजन मिल जाएगा, तो जान बचेगी। हर जिले में 200-200 ऑक्सिजन कॉन्सनट्रेटर्स का बैंक बनाया है।

दो घंटे में टीम पहुंचाएगी ऑक्सिजन कॉन्सनट्रेटर

केजरीवाल ने कहा कि 2 घंटे में हमारी टीम ऑक्सिजन कॉन्सनट्रेटर पहुंचा देगी। उन्होंने कहा कि टैक्निकल आदमी जाकर घर वालों को समझा देगा कि कैसे चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत से लोग अस्पताल से घर जाते हैं, तो उन्हें भी ऑक्सिजन की जरूरत रहती है, उनके घर भी हमारी टीम ऑक्सिजन कॉन्सनट्रेटर देंगे। केजरीवाल ने कहा कि हमारे डॉक्टर उनके संपर्क में रहेंगे। मरीज के ठीक होने पर कंट्रेटर वापस लेंगें, जिसका सैनेटाइजेशन करें। दो संस्थाएं ऑक्सिजन कॉन्सनट्रेटर्स पहुंचाने में सहायता करेगी।

ममता बनर्जी के छोटे भाई असीम बनर्जी का कोरोना से निधन, कोलकाता के प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थे

- **पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के छोटे भाई असीम बनर्जी का निधन हो गया**
- **वह पिछले एक महीने से कोरोना से संक्रमित थे, कोलकाता के मेडिका अस्पताल में थे भर्ती**

कोलकाता, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के छोटे भाई असीम बनर्जी का निधन हो गया। वह पिछले एक महीने से कोरोना से संक्रमित थे। असीम कोलकाता के मेडिका सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में भर्ती थे। परिवारिक सूत्रों के अनुसार, असीम का अंतिम संस्कार कोरोना प्रोटोकॉल के तहत किया जाएगा। मेडिका अस्पताल के चेयरमेन डॉ. आलोक रॉय ने बताया,'सीएम ममता बनर्जी के छोटे भाई असीम बनर्जी का आज सुबह अस्पताल में निधन हो गया। वह कोरोना संक्रमित पाए गए थे और उनका इलाज चल रहा था।' बंगाल में एक दिन में 20,846 मामले पश्चिम बंगाल में शुक्रवार को एक दिन में सर्वाधिक 20,846 नये मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले 10,94,802 हो गए है। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बीमारी से 136 और लोगों की मौत होने के बाद मृतक संख्या 12,993 हो गई है। राज्य में गुरुवार से 19,131 लोग स्वस्थ हुए हैं।

भारतीय वेरियंट के खिलाफ बुजुर्गों में बढ़ रही है सुरक्षा

भारत में फैल रहे कोरोना वायरस वेरियंट B.1.617.2 के खिलाफ वैक्सीनें कितनी कारगर हैं? यह सवाल वैक्सीन लगवाने से पहले कई लोगों के मन में आया होगा। खासकर इसलिए क्योंकि कई तरह के म्यूटेशन से पहले वाले कोरोना वायरस पर असर दिखाने वाली वैक्सीनें ही अभी लगाई जा रही हैं। फाइनैंशल टाइम्स की एक रिपोर्ट की मानें तो वैक्सीन का असर हो रहा है। खासकर वैक्सीन लगवा चुके बुजुर्गों में अब नए वेरियंट से संक्रमण के मामले कम हैं और बढ़ते भी नहीं दिख रहे हैं।

बुजुर्गों में दिखा असर

फाइनैंशल टाइम्स के लिए जॉन बर्न मर्डॉक ने जो डेटा शेयर किया है, उसके मुताबिक उम्र के आधार पर संक्रमण के मामलों और मौत के आंकड़ों पर नजर डालें तो इसमें खास पैटर्न नहीं दिखता है लेकिन इससे वैक्सीन के असर की ओर इशारा जरूर मिलता है।

उनके मुताबिक वैक्सीन लगवाने वाले बुजुर्गों में संक्रमण के मामले और मौतों का प्रतिशत गिर रहा है। वहीं, ब्रिटेन के बोल्टन और ब्लैकबर्न में जहां ये वेरियंट देखा गया है, वहां भी युवाओं में इसके मामले ज्यादा हैं।

भारत में वैक्सीन का कैसा असर?

ब्रिटेन में भारतीय वेरियंट का असर जॉन ने नए वेरियंट के ज्यादा संक्रामक होने पर कुछ पुख्ता नहीं कहा है लेकिन बोल्टन में हर दिन मामले 20 से बढ़कर 150 होने को उन्होंने 'कुछ अलग' होने की ओर इशारा बताया है। उनका कहना है कि यहां B.1.617.2 के मामले बढ़े हैं और दूसरे वेरियंट्स के कम हुए हैं। उनका कहना है कि संख्या अभी कम है लेकिन ट्रेंड पर नजर रखनी होगी। उनका कहना है कि संक्रामकता पर डेटा जरूर सामने आएगा लेकिन तब तक वैक्सिनेशन तेज करना ही सही कदम है और दूसरे तरीकों पर भी नजर डालनी होगी।

शिवसेना ने की शिवराज सिंह चौहान की तारीफ, 1984 सिख विरोधी दंगे का भी किया जिक्र

शिवसेना ने शनिवार को अपने माता-पिता को खो चुके बच्चों के लिए मासिक पेंशन की घोषणा के लिए शिवराज सिंह चौहान सरकार की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श हो सकता है। शिवसेना ने अपने मुखपत्र सामना में कहा कि राज्य और केंद्र सरकारों को उन बच्चों का संज्ञान लेना होगा जो कोविड -19 के कारण अनाथ हो गए थे और उन्हें "मानवता की ढाल" दी जानी चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार ने गुरुवार को घोषणा की कि जिन बच्चों ने अपने माता-पिता या अभिभावकों को कोविड -19 में खो दिया है, उन्हें मुफ्त शिक्षा और 5,000 रुपये मासिक पेंशन प्रदान की जाएगी। इन बच्चों की पढ़ाई का खर्च भी राज्य उठाएगा। सामना के संपादकीय में शिवराज सिंह चौहान की इस पहल का स्वागत किया गया है। संपादकीय में कहा गया है, "कई बच्चे इस बात से अनजान हैं कि उनके माता-पिता जो कोविड से लड़ रहे हैं, वे अस्पताल से नहीं लौट सकते। सरकार को इन अनाथ बच्चों का अभिभावक बनकर उनकी देखभाल करनी होगी। चाहे केंद्र सरकार हो या राज्य, उन्हें इन बच्चों पर ध्यान देना होगा और उन्हें मानवता की ढाल देनी होगी जिस तरह से मध्य प्रदेश के शिवराज चौहान ने किया है।" सामना के संपादकीय का पूरा अंश: कोरोना महामारी के संकट ने देश में हाहाकार मचा रखा है। हंसता-खेलता इंसान आंखों के सामने से चला जा रहा है। कहीं-कहीं माता-पिता, भाई-बहन की सामुदायिक मृत्यु होने से हंसते-खेलते परिवारों में श्मशान जैसा सन्नाटा छा गया है। इस पार्श्वभूमि में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा लिया गया एक निर्णय देश के लिए मार्गदर्शक है। कोरोना के कारण अनाथ हुए बच्चों को हर महीने `5000 पेंशन देने का निर्णय मध्य

प्रदेश सरकार ने लिया है। इस मानवीय निर्णय के लिए मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान व उनकी सरकार की जितनी सराहना की जाए उतनी कम ही है। देश में कोरोना संकट अति भयंकर स्थिति में पहुंच गया है। कोरोना किसी को भी नहीं छोड़ रहा है। बच्चे, बूढ़े, युवक, महिला आदि हर एक को इस राक्षस ने जकड़ लिया है। कोरोना के कारण हुई माता-पिता मतलब पालकों की मौतों के कारण उनके छोटे बच्चों का जीवन दयनीय हो गया है। इन बच्चों की देखभाल करनेवाला भी कोई नहीं बचा है। ऐसे अनाथ बच्चों का क्या होगा, इस चिंता से कई नेक दिलवालों की नींद उड़ गई है। अनाथ बच्चों को कैसे सहारा दिया जाए, इस पर कई लोगों ने चर्चा की व सुझाव दिए। महाराष्ट्र में भी इस पर चर्चा हुई, परंतु मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने इस गंभीर मसले की अनदेखी करने की बजाय इन बच्चों को पेंशन देने का निर्णय घोषित कर दिया। पेंशन देने के साथ ही इन बच्चों को मुफ्त शिक्षा की जिम्मेदारी भी शिवराज सिंह चौहान की सरकार उठाएगी। चौहान की सरकार द्वारा अनाथ बच्चों के मामले में लिया गया यह निर्णय अर्थात शासकों में छलकती मानवता का प्रमाण नहीं है क्या? देश में प्रतिदिन साढ़े 3 लाख से अधिक कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ रही है। यह प्राकृतिक आपदा है और समस्या बड़ी ही है, परंतु शासक आपदा से लड़ते समय कमजोर पड़ते हैं, तब उस जानमाल के होनेवाले नुकसान को मानव निर्मित संकट ही कहना चाहिए। उस पर भी छोटे बच्चों के अनाथ होने का संकट इस कोरोना काल की सबसे भयंकर आपदा है। महाराष्ट्र के लातूर में 1993 में जो भूकंप आया था, उसमें जो तबाही हुई थी, उसमें कई परिवार दफन हो गए थे। उस वक्त भी अनाथ बच्चों की पीड़ा सामने आई थी, परंतु तब महाराष्ट्र की कई सामाजिक संस्थाएं, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने अनाथों का पालन-पोषण अच्छी तरह से किया था। अनाथों के जीवन को एक दिशा दिखाई। सिख विरोधी दंगा में भी अनाथ हुए बच्चे भुज के भूकंप में भी कई लोग अनाथ हुए थे। 1984 में दिल्ली में सिखों का हत्याकांड हुआ। पंजाब में प्रदीर्घ काल तक चले आतंकवाद ने भी कई बच्चों को अनाथ ही किया। चक्रवात, तूफान, हादसों में मां-बाप गुजर जाते हैं व मासूम बच्चे बेसहारा हो जाते हैं। दुनिया में कई जगह लगातार युद्ध, बम धमाके, धार्मिक दंगे जारी ही रहते हैं। इससे भी अनाथों की एक गंभीर समस्या खड़ी हुई है। सीरिया, इराक, अप्रâीका के कई देश वर्ग संघर्ष से लहूलुहान हो रहे हैं। अनाथ बच्चों की समस्या वहां भी विकृत रूप धारण कर चुकी है। कश्मीर घाटी में आतंकवाद के कारण अब तक कई पालकों को जान गंवानी पड़ी है और कितने बच्चे अनाथ होने की फांस में फंस गए, ये कोई भी कह नहीं सकेगा, परंतु फिलहाल कोरोना काल में जो बच्चे अनाथ हो रहे हैं वो सब तो आंखों के सामने ही हो रहा है।

पीएम मोदी की आलोचना वाले वाले पोस्टर चिपकाने पर दिल्ली में 17 FIR दर्ज, 15 गिरफ्तार

नई दिल्ली, कोरोना वैक्सीन के संबंध में राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आलोचना वाले पोस्टर चिपकाने के मामले में 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने शनिवार बताया कि गुरुवार पुलिस को पोस्टर के बारे में सूचना मिली जिसके बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। शिकायतों के आधार पर दिल्ली पुलिस ने विभिन्न जिलों में 17 एफआईआर दर्ज की। ये पोस्टर शहर के कई हिस्सों में लगाए गए। इनमें लिखा था, मोदी जी हमारे बच्चों की वैक्सीन विदेश क्यों भेज दी? एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा अभी यह पता लगाने के वास्ते जांच चल रही है कि किसके कहने पर शहर के विभिन्न स्थानों पर ये पोस्टर लगाए गए और इसके अनुसार मामले में आगे की कार्रवाई की जाएगी तीन एफआईआर उत्तरपूर्वी दिल्ली में दर्ज की गई और वहां से दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। तीन FIR पश्चिम दिल्ली में और तीन FIR बाहरी दिल्ली में दर्ज की गईं। शहर के मध्य हिस्से में दो प्राथमिकियां दर्ज की गईं और चार लोगों को गिरफ्तार किया गया। दो एफआईआर रोहिणी में दर्ज की गईं और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है जबकि एक प्राथमिकी पूर्वी दिल्ली में दर्ज की गई और चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक प्राथमिकी द्वारका में दर्ज की गई और दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि एक प्राथमिकी उत्तरी दिल्ली में दर्ज की गई और एक शख्स को गिरफ्तार किया गया है।

खेल जगत

कैमरन बैनक्रॉफ्ट का खुलासा, ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को बॉल टेंपरिंग के बारे में थी जानकारी

बॉल टेंपरिंग मामले में शामिल रहे कैमरन बैनक्रॉफ्ट का कहना है कि स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और उनके अलावा आस्ट्रेलिया के बाकी गेंदबाजों को भी न्यूलैंड्स टेस्ट के दौरान की गई इस गलती की जानकारी थी। बैनक्रॉफ्ट को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ साल 2018 में तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद पर रेगमाल रगड़ते हुए कैमरे में कैद कर लिया गया था। उस घटना ने आस्ट्रेलिया और वर्ल्ड क्रिकेट को झकझोर दिया था।

द गार्डियन को दिए इंटरव्यू में उनसे पूछा गया कि क्या बाकी गेंदबाजों को इसकी जानकारी थी, उन्होंने कहा,"हां, मैं इतना ही चाहता था कि अपनी हरकत और भूमिका को लेकर जवाबदेह और जिम्मेदार रहूं।

निश्चित तौर पर मैने जो किया उससे दूसरे गेंदबाजों को फायदा मिला और उन्हें इसकी जानकारी थी। यह अपने आप में स्पष्ट है।" यह पूछने कि उनके साथ गेंदबाजों को क्या इसकी जानकारी थी, उन्होंने कहा ,"मुझे लगता है कि थी। यह अपने आप में स्पष्ट है।" न्यूलैंड्स टेस्ट में आस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण में मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस, जोश हेजलवुड, मिशेल मार्श और स्पिनर नाथन लियोन शामिल थे। बैनक्रॉफ्ट ने कहा कि वह चाहते थे कि उनके साथी खिलाड़ी उन्हें पसंद करे और इसी वजह से उन्होंने अपने मूल्यों के साथ समझौता किया। गौरतलब है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने इस मामले में एक जांच कराई थी और उसमें पता चला था कि कैमरन बैनक्रॉफ्ट को टैंपरिंग करने के लिए डेविड वॉर्नर ने उकसाया था और ये बात कप्तान स्टीव स्मिथ को भी अच्छी तरह से पता थी। इसी वजह से डेविड वॉर्नर, स्टीव स्मिथ और कैमरन बैनक्रोफ्ट को सस्पेंड कर दिया गया था।

हनुमा विहारी ने बताया, कैसे काउंटी खेलने से WTC फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिलेगी मदद

इंग्लैंड दौरे में भारत की टेस्ट टीम में शामिल हनुमा विहारी ने कहा कि काउंटी खेलना उनके लिए चुनौतीपूर्ण रहा लेकिन इसी के साथ सीखने के लिए ये एक अच्छा अनुभव रहा। विहारी इंग्लिश काउंटी वारविकशायर की तरफ से खेलने के लिए अप्रैल के शुरू में इंग्लैंड रवाना हो गए थे। टेस्ट टीम में शामिल होने से पहले उन्होंने तीन मैच के लिए वारविकशायर के साथ करार किया था। विहारी का काउंटी क्रिकेट में डेब्यू बुरा रहा था। वो नॉटिंघमशायर के खिलाफ पहली पारी में 23 गेंदों में शून्य पर आउट हो गए थे। हालांकि दूसरे गेम में उन्होंने एसेक्स के खिलाफ 32 और 52 रन की पारी खेली। न्यूज एजेंसी पीटीआई को दिए इंटरव्यू में विहारी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि काउंटी का कठिन अनुभव न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच में उनकी मदद मदद करेगा। उन्होंने आगे कहा कि ये चुनौतीपूर्ण रहा, क्योंकि ये सीजन का शुरुआती हिस्सा है लेकिन मुझे अच्छा अनुभव प्राप्त हुआ। यहां के क्लाइमेट और पिचों का इससे आइडिया मिला। उन्हें उम्मीद है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के दौरान इससे मदद मिलेगी। विहारी ने आगे कहा कि क्रिकेट खेलने के लिए ये अच्छी जगह है और मैं इस चुनौती का आनंद लूंगा। यहां की ठंड परेशानी करेगी लेकिन फिर से ये अलग अनुभव है। हां मैं अभी भी बर्मिंघम में ट्रेनिंग कर रहा हूं। उन्होंने पारी की शुरुआत करने को लेकर कहा कि घरेलू करियर में मैंने ज्यादातर टॉप ऑर्डर में ही बल्लेबाजी की है। इंग्लैंड के खिलाफ उन्हें पारी की शुरुआत करने में कोई कठिनाई नहीं होगी। टीम मुझे जो भी भूमिका सौंपेगी मैं उसे निभाने के लिए तैयार रहूंगा। मैंने अपने करियर में अधिकतर समय टॉप ऑर्डर में बल्लेबाजी की है इसलिए मैं इस चुनौती से वाकिफ हूं। मैं अपने खेल पर ध्यान देना चाहता हूं और चीजों को नियंत्रित करने की कोशिश करना चाहता हूं।

टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलना चाहते हैं तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार! सामने आया बड़ा कारण

इंग्लैंड में न्यूजीलैंड के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल मैच और बाद में मेजबान टीम के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को नहीं चुना गया। यह सबसे बड़े और चौंकाने वाले फैसलों में एक था। बाद में बताया गया कि उन्हें इंग्लैंड दौरे के लिए इसलिए नहीं चुना गया, क्योंकि वे क्रिकेट के लंबे फॉर्मेट में अपनी फिटनेस को अनिश्चित थे। लेकिन अब मीडिया रिपोर्ट्स में बताया जा रहा है कि भुवनेश्वर का चयन इसलिए नहीं हुआ है, क्योंकि वे क्रिकेट के सबसे बड़े फॉर्मेट में नहीं खेलना चाहते हैं।

'टाइम्स ऑफ इंडिया' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'भुवनेश्वर अब सारा ध्यान टेस्ट क्रिकेट से हटाकर लिमिटेड ओवर क्रिकेट में लगाना चाहते हैं। जितने भी लोग उन्हें करीब से जानते हैं, उन्हें पता है कि पिछले कुछ समय से उनके वर्क ड्रिल में काफी बदलाव आया है। साथ ही हैवी वेट ट्रेनिंग, व्हाइट बॉल क्रिकेट का कम्फर्ट जोन और टेस्ट क्रिकेट के लंबे स्पैल से लंबे समय से दूरी भी इस फैसले की बड़ी वजहों में शामिल है।' उनके टेस्ट क्रिकेट करियर की बात करें तो उन्होंने जनवरी 2018 के बाद से प्रथम श्रेणी मैच नहीं खेला है। उन्होंने आखिरी बार जनवरी 2018 में जोहानसबर्ग में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच खेला था। इसके बाद भुवनेश्वर को लिमिटेड ओवरों के फॉर्मेट के लिए चुना गया, लेकिन टेस्ट मैचों के लिए उन्हें फिट नहीं समझा गया। भुवनेश्वर को आईपीएल के पिछले सीजन में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ चोट लगी थी, जिसके कारण वह ऑस्ट्रेलिया दौरे में भी शामिल नहीं हो सके थे। भुवनेश्वर ने साल 2013 में भारत की तरफ से टेस्ट में डेब्यू किया था। वो इसके बाद मात्र 21 टेस्ट मैच ही खेल पाए हैं। 21 टेस्ट में 26.09 की औसत से उनके नाम 63 विकेट हैं। भारत के श्रीलंका दौरे में उनका चुना जाना लगभग तय है। भारतीय टीम श्रीलंका में तीन वनडे और तीन टी-20 मैचों की सीरीज खेलने जाएगी। उन्हें इस सीरीज में टीम इंडिया की कमान भी सौंपी जा सकती है।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड के तेज गेंदबाज हैरी गर्नी ने किया संन्यास का ऐलान

लगातार चोटों से प्रभावित इंग्लैंड के तेज गेंदबाज हैरी गर्नी ने क्रिकेट के सभी फॉर्मेट्स से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। गर्नी को पिछले साल चोट लग गई थी, जिसके चलते वे आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए नहीं खेल सके थे। नॉटिघम में जन्मे गर्नी ने 2014 में इंग्लैंड के लिए 10 वनडे और दो टी-20 इंटरनेशनल मैच खेले। गर्नी ने सोशल मीडिया पर रिटायरमेंट की घोषणा की। गर्नी ने कहा, 'मेरे लिए संन्यास लेने का समय आ गया है। मैंने कंधे की चोट से उबरने की कोशिश की लेकिन मैं इस बात से दुखी हूं कि मुझे अपना करियर इस कारण खत्म करना पड़ा है। जब मैं 10 साल का था तब मैंने पहली बार गेंद हाथ में पकड़ी थी। उसके बाद क्रिकेट 24 सालों तक मेरे जीवन का हिस्सा रहा है और मेरे लिए यह यात्रा शानदार रही। इंग्लैंड और कोलकाता नाइट राइडर्स की तरफ से खेलना मेरी जिंदगी का सबसे बड़ा सपना था। इस दौरान मैंने आठ ट्रॉफियां अपने नाम कीं, जिसमें द ब्लास्ट, बिग बैश लीग और कैरिबियन प्रीमियर लीग शामिल हैं।' इंग्लिश गेंदबाज ने यह भी कहा कि, 'मैंने हमेशा क्रिकेट छोड़ने की तैयारी की है और मैंने अब एक बिजनेस में नया रास्ता खोज लिया है, जो मुझे वही उत्साह देता है। ऐसा ही कुछ मैंने कई साल पहले क्रिकेट खेलने की शुरुआत में महसूस किया था।' उन्होंने प्रोफेशनल क्रिकेट में अपने करियर के दौरान सभी फॉर्मेट को मिलाकर 614 विकेट लेने के साथ क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की।

देश परदेश

ट्रेवल बैन खत्म होने के बाद ऑस्ट्रेलिया नागरिकों को लेकर भारत से स्वदेश लौटा पहला विमान, जानें कितनों को रोका गया?

भारत में कोविड-19 स्वास्थ्य संकट के कारण लगाया गया दो सप्ताह का यात्रा प्रतिबंध समाप्त होने के बाद पहला विमान भारत में फंसे ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को लेकर शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के डार्विन पहुंचा। प्रतिबंध समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलिया सरकार ने भारत में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिये उड़ानें शुक्रवार से फिर से शुरू कर दीं। 'क्वांटास विमान स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे से थोड़ा पहले रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) के एयरबेस पर पहुंचा। इसके जरिए 150 यात्रियों को लाया जाना था, लेकिन अंतत: केवल 80 नागरिक स्वदेश लौटे। एबीसी न्यूज ने भारत में ऑस्ट्रेलियाई उच्चायुक्त बैरी ओ फैरेल के हवाले से कहा कि शुक्रवार को पहली उड़ान में कई यात्रियों को सवार होने की इजाजत नहीं दी गई क्योंकि कोविड-19 जांच में उनके संक्रमित होने का पता चला। खबर में कहा गया कि 70 व्यक्तियों को विमान में सवार होने से रोक दिया गया, क्योंकि इनमें से 46 लोग संक्रमित पाए गए थे और 24 अन्य लोग संक्रमितों के निकट संपर्क में आए थे। स्वदेश लौटे लोगों को होवार्ड स्प्रिंग्स केंद्र ले जाया जाएगा। ऑस्ट्रेलिया के लगभग 10,000 स्थायी निवासी भारत से स्वदेश लौटना चाहते हैं। इनमें से लगभग 1,000 को जोखिम में माना गया है और उन्हें स्वदेश जाने वाली उड़ानों में सवार होने में प्राथमिकता दी गई है। उल्लेखनीय है कि ऑस्ट्रेलिया सरकार ने अस्थायी यात्रा प्रतिबंध लगाया था, जिसके तहत गत 14 दिनों तक भारत में रहकर स्वदेश लौटने का प्रयास करने वालों को पांच साल कारावास की सजा देने या 66 हजार डॉलर का जुर्माना लगाने या दोनों का प्रावधान किया गया था। ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को वापस लाने के लिए शुक्रवार को भारत पहुंचे विमान से 1,056 वेंटिलेटर, 60 ऑक्सीजन सांद्रक और अन्य आवश्यक आपूर्ति भेजी गई थी। ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 15 टन से अधिक चिकित्सा आपूर्ति मुहैया कराई है, जिसमें 2,000 से अधिक वेंटिलेटर और 100 से अधिक ऑक्सीजन सांद्रक शामिल हैं।

इजराइल-हमास में लड़ाई बढ़ने के बीच वेस्ट बैंक में हुए प्रदर्शन, 7 की मौत

इजराइल और हमास के बीच जारी लड़ाई के दौरान वेस्ट बैंक में फलस्तीनियों ने व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन किया और सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में इजराइली सेना के साथ झड़प की। इस दौरान इजराइली सेना की कार्रवाई में कम से कम 11 लोग मारे गए। गाजा पट्टी में इजराइल की बमबारी शनिवार तड़के भी जारी रही। गाजा सिटी में एक मकान पर हवाई हमले में कम से कम सात फलस्तीनी मारे गए जो एक हमले में मरने वाले लोगों की सबसे अधिक संख्या है। इससे एक दिन पहले रातभर टैंक से हुए हमलों और हवाई हमलों में कुछ शहरों में तबाही मच गई, एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई तथा हजारों लोग अपने घरों को छोड़कर भाग गए।

WHO की 'क्लीनचिट' के बाद भी चीन पर शक, 18 अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिकों की मांग, Wuhan Lab से Coronavirus लीक की हो जांच

लंदन, ब्रिटेन और अमेरिका के प्रमुख वैज्ञानिकों के एक समूह का कहना है कि COVID -19 महामारी कहां से पैदा हुई, इसका पता लगाने के लिए और अधिक जांच की जरूरत है। समूह का कहना है कि इस जांच में चीन के वुहान की वायरॉलजी लैब से वायरस के 'ऐक्सिडेंटल लीक' से आने की धारणा भी शामिल हो। इन वैज्ञानिकों में कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के प्रतिरक्षाविज्ञान और संक्रामक रोग विशेषज्ञ भारतीय मूल के रवींद्र गुप्ता शामिल हैं। 'साइंस' पत्रिका में प्रकाशित एक पत्र में हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड और एमआईटी जैसे दुनिया के प्रमुख विश्वविद्यालयों के 18 विशेषज्ञों ने कहा कि भविष्य के प्रकोपों के जोखिम को कम करने के लिए वैश्विक रणनीतियों बनाने के वास्ते यह जानना जरूरी है कि COVID-19 कैसे उभरा। इन विशेषज्ञों ने आगाह किया कि जब तक पर्याप्त आंकड़े न हों तब तक प्राकृतिक तरीके से और लैब से वायरस के फैलने के बारे में थिअरीज को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।

उन्होंने लिखा है, 'हम WHO के महानिदेशक, अमेरिका और 13 अन्य देशों और यूरोपीय संघ से सहमत हैं कि इस महामारी की उत्पत्ति के बारे में अधिक स्पष्टता प्राप्त करना आवश्यक और संभव है। जब तक पर्याप्त आंकड़े न हों तब तक प्राकृतिक तरीके से और लैब से वायरस के फैलने के बारे में थिअरीज को गंभीरता से लिया जाना चाहिए।' चीन ने दी थी SARS-CoV-2 की जानकारी

महामारी के इतिहास का जिक्र करते हुए वैज्ञानिकों ने याद किया कि किस तरह 30 दिसंबर, 2019 को प्रोग्राम फॉर मॉनिटरिंग इमर्जिंग डिजीज ने दुनिया को चीन के वुहान में अज्ञात कारणों से होने वाले निमोनिया के बारे में सूचित किया था। इससे कारक प्रेरक एजेंट सीवीयर एक्यूट रेसपीरेटरी सिंड्रोम कोरोना वायरस 2 (SARS-CoV-2) की पहचान हुई थी।मई 2020 में, विश्व स्वास्थ्य सभा ने अनुरोध किया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक SARS-CoV-2 की उत्पत्ति का पता लगाने के लिए भागीदारों के साथ काम करें। नवंबर 2020 में, चीन-डब्ल्यूएचओ के संयुक्त अध्ययन के लिए संदर्भ की शर्तें जारी की गईं। अध्ययन के पहले चरण के लिए जानकारी, आंकड़े और नमूने एकत्र किए गए थे और टीम द्वारा संक्षेप में प्रस्तुत किए गए थे। Coronavirus vaccine Myths: कोविड वैक्सीन को लेकर इंटरनेट पर उड़ रहीं हैं ये 9 अफवाहें, जानिए क्या है सच और झूठ जानकारों के अनुसार, वैक्सीन के डोज से आपकी इम्यूनिटी बूस्ट होती है लेकिन इसके बाद भी आप संक्रमित हो सकते हैं। हालांकि,

आप वायरस के गंभीर लक्षणों का शिकार नहीं होंगे। साथ ही वायरस के नए-नए म्यूटेशन पहले से ज्यादा खतरनाक साबित हो रहे हैं लिहाजा आपको सावधान रहने की जरूरत है। डॉक्टर्स के अनुसार, वैक्सीन आपकी इम्यूनिटी को एक हेल्दी लेवल प्रोवाइड करती है जो वायरस से फाइट करने में मददगार है। वहीं 'हर्ड इम्यूनिटी (Herd immunity) हासिल करने के लिए भारत की 70% आबादी में एंटी-बॉडीज विकसित करने की जरूरत है। ऐसे में एंटीबॉडीज को या तो वैक्सीनेशन के जरिए डवलप होती हैं या फिर इनफेक्शन के माध्यम से। इसलिए बिना देर किए दिए वैक्सीन का दूसरा डोज लेना चाहिए। इस वायरल मिथ पर सरकार की ओर से पीआईबी ने कहा है कि यह मेसेज पूरी तरह फेक है। कृपया इस तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें। वहीं हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, वैक्सीन का पीरियड से कोई लेना नहीं है। वैक्सीन हमारे अंदर एसिंप्टोमेटिक करियर का काम नहीं करती है। ये सिर्फ हमारे अंदर एंटीबॉडीज का निर्माण करती है जिसके चलते भविष्य में आप पर खतरनाक संक्रमण का असर नहीं होता है। एक्सपर्ट् के अनुसार, वैक्सीन लगवाने का भी मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग जरूरी है। क्योंकि हो सकता है वैक्सीनेट होने के बाद आपका इम्यून सिस्टम मजबूत रहे और आप पर वायरस का असर न हो लेकिन अगर सामने वाले का टीकाकरण नहीं हुआ तो उसके लिए खतरनाक साबित हो सकता है। भारत सरकार ने गर्भवती और ब्रेस्टफीडिंग करवाने वाली महिलाओं के लिए वैक्सीन लगवाने की अनुमति नहीं दी है। हालांकिस अभी तक ऐसी अवस्था वाली महिलाओं पर वैक्सीन से इम्यून होने का कोई वैज्ञानिक डाटा उपलब्ध नहीं है।

वहीं कुछ गायनेकोलॉजिस्ट गर्भवती और स्तनपान करवाने वाली महिलाओं के लिए कोरोना वैक्सीन लगवाना ठीक बता रहे हैं। उनकी राय है कि इस अवस्था में महिलाओं का इम्यून कमजोर होता है और उन्हें वैक्सीन फायदेमंद होगी। इतना ही नहीं, धूम्रपान से फेफड़ों की कार्यक्षमता (lung capacity) कम हो जाती है और कई अन्य सांस की बीमारियों के होने का खतरा भी बढ़ जाता है। कई रिपोर्टों में पाया गया है कि सिगरेट पीने वालों को COVID-19 के गंभीर लक्षण होने का ज्यादा खतरा होता है। तमाम लोगों सोचते हैं कि कोविड रिकवरी के बाद उन्हें डोज लेने की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनके अंदर एंटीबॉडीज का निर्माण हो चुका है। लेकिन WHO के अनुसार, वैक्सीन सभी को लेना अनिवार्य है।जिन लोगों को पहले से ही बीमारियां हैं उन्हें लगता है कहीं वैक्सीन का डोज उनके लिए खतरा साबित न हो जाए लेकिन असल में ऐसा नहीं है। एक्सपर्ट्स के अनुसार, ऐसे लोगों को जल्दी वैक्सीन लगवानी चाहिए, क्योंकि उनका इम्यून सिस्टम कमजोर होता है।

डॉक्टर सभी को घर पर रहने की सलाह दे रहे हैं। जानलेवा संक्रमण से बचने की यही एक तरीका है कि आप घर पर रहें, बिना वजह बाहर न निकलें। WHO की टीम ने लैब लीक को 'नकारा'

'द कपिल शर्मा शो' की सुमोना चक्रवर्ती ने बयां किया दर्द- 'बेरोजगार हूं, 10 साल से इस बीमारी से जूझ रही'

कपिल शर्मा के शो में भूरी का रोल कर मशहूर हुई सुमोना चक्रवर्ती ने खुलासा किया है कि उनके पास काम नहीं है। कपिल का शो भी बंद हो गया है ऐसे में सुमोना के पास कोई काम नहीं बचा है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर के साथ लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। साथ ही अपनी बीमारी के बारे में बताया जिससे वो पिछले 10 सालों से जूझ रही हैं।

काम ना होने का बयां किया दर्द

सुमोना लिखती हैं कि 'लंबे समय के बाद घर पर ठीक से वर्कआउट किया। कुछ दिन ऐसे होते हैं जब मैं खुद को दोषी महसूस करती हूं क्योंकि बोरियत प्रीविलेज (सुविधाओं से युक्त) है। मैं बेरोजगार हूं और फिर भी मैं खुद का और अपने परिवार का पेट भरने में सक्षम हूं। यह प्रीविलेज ही है। कई बार मैं खुद को दोषी महसूस करती हूं। खासकर तब जब मैं पीएमएस (प्रीमेंस्ट्रूअल सिंड्रोम) की वजह से उदास हो जाती हूं। मूड स्विंग होना इमोशनली परेशान करता है।'

इस बीमारी से जूझ रहीं सुमोना

'कुछ चीजें मैंने पहले कभी शेयर नहीं कीं। मैं 2011 से एंडोमेट्रियोसिस से जूझ रही हूं। कई सालों से चौथे स्टेज पर हूं। खाने की सही आदत, एक्सरसाइज और सबसे जरूरी कोई तनाव ना लेने से मेरा स्वास्थ्य ठीक है। लॉकडाउन मेरे लिए भावनात्मक रूप से कठिन रहा है।' बता दें कि एंडोमेट्रियोसिस से पेट में दर्द की शिकायत और कंसीव न कर पाने जैसी समस्याएं होती हैं।

हर चमकने वाली चीज सोना नहीं

सुमोना कहती हैं कि 'आज मैंने वर्कआउट किया। अच्छा महसूस हो रहा है। मैंने सोचा अपनी भावनाएं जाहिर करती हूं जिससे जो कोई भी पढ़े इसे समझे कि जो कुछ भी चमकता है वह सोना नहीं है। हम सब किसी ना किसी चीज के लिए संघर्ष कर रहे हैं। हम सबके पास लड़ने के लिए अपनी अपनी लड़ाई है। हम दुख, दर्द, तनाव, चिंता, नफरत से घिरे हैं। आप सभी को प्यार, सहानुभूति और दया की जरूरत है।'

सलमान खान को ईद पर मिला रिटर्न गिफ्ट, पहले दिन ही 'राधे' ने बना दिया रिकॉर्ड

सलमान खान ने इस साल ईद के मौके पर फिल्म 'राधे' के जरिए अपने प्रशंसकों को खास तोहफा दिया है। फिल्म पिछले साल ईद पर रिलीज होने वाली थी लेकिन कोरोना महामारी की वजह से इसे टाल दिया गया था। अब जब फिल्म रिलीज हो चुकी है तो इसे जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है।

सलमान को प्रशंसकों का तोहफा

ईद पर सलमान के प्रशंसकों ने भी उन्हें रिटर्न गिफ्ट दिया है। फिल्म रिलीज के पहले दिन ही इसने रिकॉर्ड बना दिया जिसके बाद अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर आभार व्यक्त किया।

सलमान ने बताया कि 'राधे' को पहले दिन 4.2 मिलियन (42 लाख) लोगों ने देखा है और यह एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि यह दर्शकों का प्यार ही है जिनके समर्थन के बगैर इंडस्ट्री टिक नहीं सकती। उन्होंने एक पोस्टर शेयर किया है जिस पर लिखा है- 'क्रिएटिंग हिस्ट्री (इतिहास बना दिया)। 4.2 मिलियन से ज्यादा व्यूज।'सभी का किया शुक्रिया

पोस्टर के साथ सलमान ने कैप्शन में लिखा- 'सभी को ईद की मुबारकबाद। "राधे" को पहले दिन सबसे ज्यादा देखी गई फिल्म बनाने के लिए सभी का शुक्रिया, ईद पर इतना खूबसूरत रिटर्न गिफ्ट देने के लिए। फिल्म इंडस्ट्री आपके प्यार और समर्थन के बिना जिंदा नहीं रह सकती। शुक्रिया।' पहले दिन का ओवरसीज बॉक्स ऑफिस कलेक्शन क्रिटिक और ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने राधे के पहले दिन का ओवरसीज बॉक्स ऑफिस कलेक्शन ट्वीट किया है। तरण के ट्वीट के मुताबिक राधे ने पहले दिन कोविड महामारी के बीच भी अच्छी कमाई की है। फिल्म ने ऑस्ट्रेलिया में A$ 62,988 (35.71 लाख रुपये), न्यूजीलैंड में NZ$ 11,199 (5.90 लाख रुपये) की कमाई की है।

कैसे देखें फिल्म

सलमान खान और दिशा पाटनी के अलावा फिल्म में रणदीप हुड्डा और जैकी श्रॉफ की मुख्य भूमिका है। इसे सलमान खान फिल्म्स ने जी स्टूडियो के साथ मिलकर प्रस्तुत किया है। फिल्म को जी5 पर 'पे-पर-व्यू' सर्विस जी प्लेक्स पर देखा जा सकता है। जीप्लेक्स डीटीएच प्लेटफॉर्म जैसे डिश, डी2एच, टाटा स्काई और एयरटेल डिजिटल टीवी पर भी उपलब्ध है।

अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने जुटाए टारगेट से ज्यादा रुपये, लिखा- अब बचाएंगे जिंदगियां

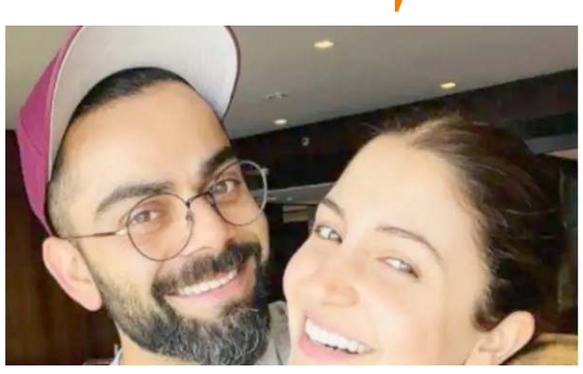

कोरोना से जंग लड़ने के लिए कई सिलेब्रिटीज आगे आ रहे हैं। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने मिलकर 11 करोड़ से ज्यादा रुपये जुटाए हैं। उन्होंने शुरुआत में 7 करोड़ रुपये टारगेट रखा था। यह रकम उससे कहीं ज्यादा है। विराट और अनुष्का ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करके मदद करने वाले लोगों का शुक्रिया अदा किया है।

वीडियो शेयर कर मांगी थी मदद

अनुष्का और विराट ने एक हफ्ते पहले अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स पर वीडियो शेयर करके फंड जुटाना शुरू किया था। अनुष्का ने वीडियो के साथ लिखा था, हमारा देश कोविड-19 की दूसरी लहर से लड़ रहा है और हमारा हेल्थकेयर सिस्टम बड़ी चुनौतियों का सामना कर रहा है। लोगों को तड़पते देख मेरा दिल टूट रहा इसलिए विराट और मैंने Ketto के साथ एक कैंपेन #InThisTogether शुरू किया है। इसके जरिये कोविड-19 में राहत के लिए चंदा जुटाया जाएगा। हम सब इस मुसीबत से जीतेंगे। प्लीज भारत और भारतीयों को सपोर्ट करने के लिए आगे आइए। आपका योगदान इस बुरे वक्त में लोगों को बचाने के काम आएगा। इसके लिए मेरे बायो में दिए गए लिंक पर क्लिक करें। मास्क लगाएं, घर पर रहें, सुरक्षित रहें।

बचाएंगे लोगों की जिंदगियां

इसके बाद एमपीएल स्पोर्ट्स फाउंडेशन ने 5 करोड़ रुपये डोनेट करने का ऐलान था और विराट ने अपना टारगेट 11 करोड़ रुपये करने की सूचना दी थी। विराट और अनुष्का को लोगों दिल खोलकर सपोर्ट किया है। उन्होंने निर्धारित टारगेट से ज्यादा रुपये इकट्ठे कर लिए हैं। इसके लिए दोनों ने लोगों का शुक्रिया अदा किया है साथ ही बताया है कि ये राशि जिंदगियों को बचाने में खर्च की जाएगी।

परेश रावल ने शेयर की अपने 'निधन' की सूचना, लिखा- माफी चाहूंगा क्योंकि मैं तो 7 बजे...

कोरोना महामारी के बीच कई सिलेब्रिटीज के निधन की झूठी खबरें उड़ रही हैं। अब परेश रावल ने एक वायरल पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उनको श्रद्धांजलि दी गई है। उन्होंने इस पर मजाकिया कॉमेंट भी किया है। उनके फैन्स भी इस पोस्ट पर उनके मीम शेयर करके मजे ले रहे हैं। परेश के निधन की अफवाह वायरल परेश रावल ने पोस्ट शेयर किया है जिसमें उनकी फ्रेम की हुई तस्वीर लगी है। साथ में लिखा है, आज दिनांक 14/05/2021 को सुबह 7: 00 बजे फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा परेश रावल जी की मृत्यु हो गए। साथ में जलते दिए या मोमबत्ती के साथ श्रद्धांजलि दी गई है। इसमें लिखा है, अत्यंत दुख के साथ सूचित किया गया कि फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा परेश रावल जी हमारे बीच नहीं रहे। इस पोस्ट के साथ परेश रावल ने कॉमेंट किया है, गलतफहमी के लिए खेद है क्योंकि मैं 7 बजे के बाद सोया था।

नहीं होगा यशराज फिल्म्स का गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन, कोरोना रिलीफ फंड में जाएगा पूरा बजट

भारत में कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने कोहराम मचा दिया है। ऐसे में फिल्म इंडस्ट्री भी इसके असर से अछूती नहीं रह पाई है। कोरोना के कारण फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लाखों लोग भी प्रभावित हुए हैं। ऐसे में बॉलिवुड सिलेब्रिटीज लोगों की मदद करने के लिए आगे आए हैं। फिल्ममेकर आदित्य चोपड़ा भी अपने स्तर पर लोगों की मदद कर रहे हैं। फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोगों के मुफ्त वैक्सिनेशन की घोषणा करने के बाद आदित्य ने फैसला किया है कि यशराज फिल्म्स के 50 साल पूरे होने का जश्न नहीं मनाया जाएगा। कोविड रिलीफ में जाएगा पूरा बजट

इस साल यशराज फिल्म्स को 50 साल पूरे हो गए हैं। इसके लिए एक भव्य गोल्डन जुबली सेलिब्रेशन की तैयारी की जा रही थी। मगर अब COVID-19 की स्थिति को देखते हुए आदित्य चोपड़ा ने इस फंक्शन को कैंसल कर दिया है। आदित्य ने फैसला लिया है कि इस गोल्डल जुबली सेलिब्रेशन में होने वाले खर्च को COVID-19 रिलीफ फंड में डोनेट कर दिया जाएगा।

हजारों लोगों को खाना खिलाएगा YRF

इसके अलावा आदित्य चोपड़ा और यशराज फिल्म्स ने गोरेगांव इलाके के फ्रंटलाइन वर्कर्स और अंधेरी इलाके के क्वॉरेंटीन सेंटर्स के हजारों लोगों को रोजाना खाना खिलाने का भी फैसला लिया है। यह खाना यशराज फिल्म्स की रसोई से बनकर इन इलाकों में सप्लाई किया जाएगा।

सीधे पैसा ट्रांसफर और राशन किट्स

साथ ही यशराज फाउंडेशन ने इंडस्ट्री के सीनियर सिटिजन और महिलाओं के खाते में सीधे 5 हजार रुपये ट्रांसफर करने की योजना बनाई है। इसके साथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करने वाले वर्कर्स की 4 सदस्यों के परिवार के लिए हर महीने राशन किट्स भी बांटी जाएंगी। इसके लिए यशराज ने एक एनजीओ यूथ फीड इंडिया से हाथ मिलाया है। इससे पहले यशराज ने पिछले हफ्ते ही यश चोपड़ा साथी नाम से एक पहल शुरू की थी जिसमें फिल्म इडस्ट्री के हजारों वर्कर्स को वित्तीय सहायता दी जाएगी।

'जूम जूम' की शूटिंग के वक्त बिगड़ा दिशा पाटनी का बैलेंस, सलमान खान ने गिरने से यूं बचाया

सलमान खान की फिल्म 'राधे योर मोस्ट वांटेड भाई' को भले ही क्रिटिक्स की मिली जुली प्रतिक्रिया मिली हो लेकिन दर्शकों ने जबरदस्त उत्साह दिखाया है। फिल्म के गाने चाहे वो 'सीटी मार हो' या 'जूम जूम' यूट्यूब पर खूब देखा जा रहा है। अब मेकर्स ने 'जूम जूम' गाने का एक मेकिंग वीडियो शेयर किया है। 'जूम जूम' गाने का मेकिंग वीडियो बिहाइंड द सीन के इस वीडियो से पता चलता है कि पिछले साल लॉकडाउन खुलने के बाद इस गाने की शूटिंग की गई थी। गाने को सीजर गोंसाल्विस ने कोरियोग्राफ किया है जबकि चेन्नई से निर्देशक प्रभुदेवा ने टीम को वीडियो कॉल के जरिए ज्वॉइन किया। मास्क पहने नजर आए सभी कोरोना वायरस को देखते हुए पूरी टीम ने तमाम एहतियात अपना रखे थे। सेट पर दिशा पाटनी सहित अन्य सभी मास्क पहने नजर आते हैं। वीडियो में सलमान खान डांस करते हैं उनसे कुछ स्टेप्स ठीक से नहीं होते तो वो कहते हैं कि 'टाइम लगेगा भाई, छह महीने बाद आया हूं।' दिशा का बिगड़ा बैलेंस एक अन्य सीन में सलमान और दिशा साथ में डांस स्टेप करते हैं तभी दिशा का बैलेंस बिगड़ जाता है। हालांकि सलमान तुरंत उन्हें हाथों से पकड़ लेते हैं और जमीन पर गिरने से बचा लेते हैं। इस सीन के गड़बड़ होने पर इसे फिर से शूट किया जाता है। एम्बी वैली में हुआ शूट वीडियो में सलमान खान बताते हैं कि जब लॉकडाउन खुला तो उन्हें समझ नहीं आया कि इसकी शूटिंग कहां करें। ग्रीस चलें जाएं या किसी दूसरी जगह देखें लेकिन हर जगह ही लॉकडाउन जैसी स्थिति तो खूबसूरत एम्बी वैली में शूटिंग करने का फैसला लिया।

सलमान को प्रशंसकों का तोहफा

ईद पर सलमान के प्रशंसकों ने भी उन्हें रिटर्न गिफ्ट दिया है। फिल्म रिलीज के पहले दिन ही इसने रिकॉर्ड बना दिया जिसके बाद अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट लिखकर आभार व्यक्त किया। सलमान ने बताया कि 'राधे' को पहले दिन 4.2 मिलियन (42 लाख) लोगों ने देखा है और यह एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि यह दर्शकों का प्यार ही है जिनके समर्थन के बगैर इंडस्ट्री टिक नहीं सकती। उन्होंने एक पोस्टर शेयर किया है जिस पर लिखा है- 'क्रिएटिंग हिस्ट्री (इतिहास बना दिया)।

नोरा फतेही का इजरायल पर फूटा गुस्सा, सोशल मीडिया पर फिलिस्तीनियों के लिए छलका दर्द

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस और मशहूर डांसर नोरा फतेही सोशल मीडिया पर काफी ऐक्टिव रहती हैं। अब उन्होंने फिलिस्तीन पर हमलों के खिलाफ आवाज उठाई है और इंस्टाग्राम पर एक लंबा पोस्ट शेयर किया है। इजरायल और फिलिस्तीन के तनाव ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है और अब सोशल मीडिया पर कई दिल दहलाने वाले दृश्य वायरल हो रहे हैं। वहीं, नोरा ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में इजरायल में राजनीतिक और सैन्य अशांति के बारे में बात की। उन्होंने उस अन्याय के खिलाफ भी आवाज उठाई जो यरुशलम के पूर्वी हिस्से में चल रहा है। नोरा फतेही ने जताई चिंता नोरा ने इस बात पर अपनी चिंता व्यक्त की कि कैसे फिलिस्तीन के लोग अंतहीन रूप से प्रताड़ित किए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि किसी को भी यह चुनने का अधिकार नहीं है कि किसका मानवाधिकार दूसरों की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है। फिलिस्तीनी उत्पीड़न की अनदेखी क्यों? उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, 'नस्लीय समानता, एलजीबीटी, महिलाओं के अधिकारों की वकालत और भ्रष्ट और अपमानजनक शासनों पर चोट की निंदा करने वाले लोग फिलिस्तीनी उत्पीड़न की अनदेखी कैसे कर सकते हैं।

'हमें भी इजरायल की तरह आर्मी में जाना है', कंगना ने पर ईद पर पढ़ाया भारतीयता का पाठ

बॉलिवुड ऐक्ट्रेस कंगना रनौत ने शुक्रवार को अपने फैन्स और देशवासियों को भारतीयता और इंसानियत का पाठ पढ़ाया है। कंगना रनौत ने इंस्टाग्राम पर करीब तीन मिनट का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह पहले ईद अक्षय तृतीया और परशुराम जयंती की बधाई देती हैं। वीडियो में कंगना ने आगे इजरायल का उदाहरण लेते हुए विपक्षी राजनीतिक दलों पर भी निशाना साधा है और धर्म के आधार पर समाज को बांटने वालों को भी। कंगना ने कहा कि जिस तरह इजरायल से आतंकवाद का सामना किया है, हम सभी को सीख लेनी चाहिए। उन्होंने सरकार से अपील की है कि इजरायल की तरह भारत में ही सेना (Army) में सेवा करना युवाओं के लिए अनिवार्य कर देना चाहिए। 'यहां बंदर-मदारी का तमाशा देखते हैं लोग'

ऐक्ट्रेस ने आगे कहा है कि इजरायल में भी अपोजिशन है, लेकिन वहां कोई यह नहीं पूछा रहा कि कहां स्ट्राइक किया, हम नहीं मानते। कंगना कहती हैं कि हमारे देश में ही कुछ लोग हैं कि जो ऐसा करते हैं और बंदर-मदारी का तमाशा देखते हैं। ऐसे लोग चाहते हैं कि देश का अंत हो जाए। कंगना ने सरकार से अपील की है कि जिस-जिस धर्म की किताबों में यह लिखा है कि सिर्फ उसी धर्म के लोग तुम्हारे अपने हैं, बाकी गाजर मूलियां हैं, उसको निकालिए। ऐक्ट्रेस ने लोगों से कहा कि ये बातें झूठ हैं। इन्हें मत मानिए। आपके लिए सर्वोपरि धर्म होना चाहिए भारतीयता का।

अभिनेता रणधीर कपूर को मिली कोकिलाबेन अस्पताल से छुट्टी, अभी दो हफ्ते और सावधानी बरतने की सलाह

शो मैन राजकपूर के बेटे रणधीर कपूर को कोरोना संक्रमण से मुक्ति मिलने के बाद मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। रणधीर कपूर की कोरोना टेस्ट रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्हें 29 अप्रैल को अस्तपाल में भर्ती कराया गया था।रणधीर कपूर को कोरोना संक्रमण अपने स्टाफ से हुआ या कहीं और आने जाने में, इसकी स्पष्ट वजह तो चिकित्सक समझ नहीं पाए लेकिन कोकिलाबेन में रणधीर कपूर ने अपने स्टाफ का भी साथ ही इलाज कराया है। कोकिलाबेन अस्पताल के प्रवकता ने 2 मई को बताया था कि रणधीर कपूर को आईसीयू से बाहर निकाल लिया गया है और उनको जल्दी ही छुट्टी मिल जाएगी लेकिन उनकी सेहत को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें दो हफ्ते अस्पताल में और रखा।रणधीर कपूर मजबूत इच्छाशक्ति वाले इंसान शुरू से रहे हैं। उन्होंने अस्पताल से ही एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए अपनी हालत का पूरा ब्यौरा भी दिया था। रणधीर के मुताबिक, उन्हें सिर्फ एक दिन के लिए आईसीयू में रखा गया और चूंकि उन्हें सांस लेने में किसी तरह की दिक्कत नहीं हो रही थी तो इसलिए ऑक्सीजन वगैरह की जरूरत भी नहीं पड़ी।अस्पताल में भर्ती कराए जाते समय रणधीर कपूर को तेज बुखार की शिकायत थी। वह खुद होम आइसोलेशन में ही अपना इलाज कराए जाने के पक्ष में थे लेकिन उनकी बेटियों करिश्मा और करीना ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती होने की सलाह दी। अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद रणधीर कपूर अपने घर चले गए हैं।हालांकि उन्हें अभी दो हफ्ते और सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।राज कपूर के सबसे बड़े बेटे रणधीर कपूर ने बाल कलाकार के तौर पर फिल्म 'श्री 420' से फिल्मों में काम करना शुरू किया था। तमाम फिल्मों में सेकंड लीड रोल करने के बाद फिल्म 'कल आज और कल' से वह निर्देशक बने। इसी फिल्म में उन्होंने अपना पहला लीड रोल भी किया। रणधीर कपूर के दोनों छोटे भाइयों का बीते एक साल में निधन हो चुका है। ऋषि कपूर ने पिछले साल 30 अप्रैल को अंतिम सांस ली, वहीं राजीव कपूर इसी साल फरवरी में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया।

परियोजना प्रबंधन - एक महत्वपूर्ण कैरियर विभेदक

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

परियोजना प्रबंधन, पूरे जीवन काल में परियोजना को मूल रूप से संचालित करने के लिए नियोजन, आयोजन, सुरक्षित, निष्पादित, नियंत्रित, प्रबंधन और कार्यों का संयोजन है।

एक परियोजना में विभिन्न हितधारक होते हैं जैसे ग्राहक, आर्किटेक्ट, डिजाइनर, योजनाकार, सलाहकार, आपूर्तिकर्ता, श्रमिक आदि। जबकि प्रत्येक व्यक्ति स्वतंत्र रूप से अपना दायरा बचाता है, यह महत्वपूर्ण है कि उनके कार्य एक दूसरे के साथ हों और परियोजना का समग्र उद्देश्य। इसलिए एक नोडल एजेंसी का होना जरूरी है जो परियोजना को वितरित करने में सभी हितधारकों के कार्यों का समन्वय, योजना, नियंत्रण और पर्यवेक्षण करता है। इस नोडल एजेंसी को प्रोजेक्ट मैनेजमेंट कहा जाता है।

एक परियोजना प्रबंधक होने से एक परियोजना के निर्धारित समय, आशंकित बजट और अपेक्षित गुणवत्ता मानकों के भीतर पूरा होने की संभावना बढ़ जाती है। हर परियोजना प्रबंधक के लिए सक्षम होने की उम्मीद है योजना और दिशा प्रदान करें,वितरण में दक्षता लाना,गुंजाइश का अनुकूलन लागत का प्रबंधन,समय प्रबंध करें,कार्य अनुसूची, संभावित जोखिमों से निपटें, व्यवस्थापक खरीद,हितधारकों के साथ संवाद करें,प्रोजेक्ट पूर्ण करें।

आर्किटेक्ट कौशल का एक अनूठा सेट ला सकता है जो सफल परियोजना प्रबंधन भूमिकाओं के लिए हस्तांतरणीय हैं। आर्किटेक्ट अब इन पदों पर जा रहे हैं क्योंकि यह उन्हें बड़े पैमाने पर परियोजनाओं के प्रबंधन के लिए अपने कौशल-सेट को बढ़ाने का अवसर देता है। एक वास्तुकार के रूप में, आप एक पुरस्कृत परियोजना प्रबंधन की स्थिति में कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला लाने में सक्षम हैं। एक परियोजना प्रबंधक के कौशल को सीखना आपको अपने आर्किटेक्चर कैरियर में विविधता लाने में सक्षम कर सकता है। न केवल क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर खुलते हैं, बल्कि यह आपको एक सफल नेता के रूप में विकसित होने का अवसर देते हुए अपनी रिपोर्टिंग और विश्लेषणात्मक प्रवीणता को बढ़ाने में भी मदद करेगा। परियोजना प्रबंधन का अध्ययन करने वाले वास्तुकारों के लिए, स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों स्तरों पर कई अवसर हैं। अधिक जानकारी के लिए आप संस्थान कीवेबसाइट tsap.mumbai.in पर जा सकते हैं

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नीरव मोदी को कारण बताओ नोटिस

जांच एजेंसी का आरोप है कि नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी ने कुछ बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर पीएनबी के साथ कथित तौर पर ₹14,000 करोड़ की धोखाधड़ी की।

मुंबई, मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में सुनवाई कर रही विशेष अदालत ने हीरा कारोबारी नीरव मोदी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले में कथित धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सुनवाई कर रही मुंबई की विशेष अदालत ने सार्वजनिक नोटिस जारी कर वॉन्टेड आरोपी नीरव मोदी से पूछा है कि उनकी संपत्तियों को भगोड़ा आर्थिक अपराध अधिनियम (एफईओ) के तहत जब्त क्यों नहीं किया जाए। इस मामले में विशेष अदालत के न्यायाधीश वी.सी. बर्डे ने नीरव मोदी से 11 जून को अदालत के समक्ष पेश होने को भी कहा है। पेश नहीं होने पर होगी कार्रवाई कारण बताओ नोटिस के बाद यदि अपराधी कोर्ट में पेश नहीं होता है, तो अदालत कार्रवाई करेगी। इस मामले में विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर दिसंबर 2019 में नीरव मोदी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया था। ईडी इस मामले की जांच कर रही है।

इस तरह जारी हुआ नोटिस

अदालत के नोटिस के अनुसार, 'मैं, वी.सी. बर्डे, पीएमएलए 2002 और भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत विशेष न्यायाधीश, आपको यह कारण बताने के लिए नोटिस जारी करता हूं कि आवेदन (प्रवर्तन निदेशालय की याचिका) में उल्लेखित संपत्तियों को उक्त कानून के तहत जब्त क्यों नहीं कर लिया जाए।' नीरव के अलावा उनकी पत्नी अमी, बहन पूर्वी और बहनोई मयंक मेहता को भी ऐसा ही नोटिस जारी किया गया है। जांच एजेंसी का आरोप है कि नीरव मोदी और उसके मामा मेहुल चोकसी ने कुछ बैंक अधिकारियों के साथ मिलकर पीएनबी के साथ कथित तौर पर ₹14,000 करोड़ की धोखाधड़ी की।

KAANT FOODS®
Manufacturer of Khakhra & Dry Bhakri in Various Flavor

Khakhra & Dry Bhakri is a thin cracker common in the Gujarati and Rajasthani cuisines of western India, especially among Jains. It is made from mat bean, wheat flour and oil. It is served usually during breakfast. Khakhras are individually hand-made and roasted to provide a crunchy and healthy snack that can be enjoyed with a selection of spicy pickles and sweet chutneys.

20, 1st Floor, Sarvodaya Soceity, Opp. Hotel Oasis, Nr. Umiya Dham Temple, Surat-395006. Gujarat, India.
Email : kaantfoods@gmail.com Mob : 9825770072
Web : www.kaantfoods.com

पूज्य मोरारी बापू द्वारा विचरती जाती और सेक्स वर्कर्स परिवार को सहाय

पूरे राष्ट्र में कोरोना के आतंक से जन जीवन बेहाल है। इस महामारी की असर मध्यम वर्ग और आर्थिक रुप से कमजोर परिवारों की स्थिति ज्यादा बदतर है। आरोग्य विषयक समस्या तो है ही, पर राष्ट्र के सभी प्रांत के रोजबरोज की जीवनचर्या में कठिनाई भूगत रहे हैं। धंधा रोजगार बंद रहने की वजह से मानसिक रुप से भी लोग त्रस्त है। ऐसे में कईओं को खाना भी नसीब नहीं हो रहा। इस विभिषिका में चित्रकूटधाम, तलगाजरडा के श्री हनुमानजी के प्रसाद के रुप में पूज्य मोरारी बापू ने जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की है। गत वर्ष कोरोना के प्रारंभ में प्रधानमंत्री कोष में एक करोड़ सहायता राशि जमा करवाई थी। जो भी अपने से मुमकिन हो, इतने क्षेत्र में बापू द्वारा तुलसी दल स्वरुप सहायता पहूंचाई जा रही है। विविध समाज सेवी संस्था, संगठन के माध्यम से लोगों तक सही मायने में यह प्रसाद पहूँचाने का शुभ संकल्प सार्थक हो रहा है। साथ ही साथ अविरत अनुष्ठान के रुप में श्रोता रहित रामकथा का अनुष्ठान चल रहा है। जिस स्थान पर कथा गान हो रहा हो, उस इलाके के जरुरतमंद परिवारों के घर पर राशन कीट पहूंचाई जाती है। लोक मंगल के लिए हो रहे बापू के शुभ संकल्प को व्यासपीठ के श्रोताओं का हर हंमेश भावपूर्ण प्रतिसाद मिलता है। पूज्य बापू अपील न करें - सिर्फ विचार रखें, तब भी फोरन मानो बापू की हूंडी मानो अस्तित्व द्वारा कबुल हो जाती है। आज बापूने गुजरात की विचरती जाती समुदाय मंच के सुश्री मित्तल पटेल की संस्था को ११ लाख की धनराशि अर्पित की गई। इस के अलावा गुजरात, मुंबई, उन्नाव(युपी), दिल्ही सहित विविध प्रांत के सेक्स वर्कर्स के परिवारों के पून:वसन के लिए कार्यरत संस्थाएं ऐवं संगठनो को २४ लाख रुपये की सहायता देने की उद्घोषणा की है।

बीएमसी चुनाव के लिए शिवसेना की तैयारी शुरु

साल 2011 तक के झोपड़पट्टी वालों को मिलेगा पानी?

मुंबई, मुंबई में अगले साल होने वाले बीएमसी चुनावों के मद्देनजर सत्ताधारी शिवसेना ने अभी से तैयारियां करना शुरू कर दिया है। मतदाताओं को लुभाने के लिए अभी से शिवसेना ने दांव चलना शुरू किया है। शिवसेना ने साल 2011 तक की झोपड़ियों को पानी देने का प्रस्ताव दिया है। जिसपर शुक्रवार को बीएमसी (BMC) के सदन में चर्चा की जाएगी। नगर पालिका और राज्य में शिवसेना की सत्ता होने के कारण इस प्रस्ताव मंजूर किए जाने की संभावना है। महानगर पालिका के नियमानुसार 1995 तक के स्लम को संरक्षित माना जाता है। हालांकि अब राज्य सरकार के नए नियम के मुताबिक साल 2000 तक के झोपड़ियों को

अभय दान दिया है। जिसकी वजह से महानगर पालिका ने भी 2000 तक के झोपड़पट्टी को पानी देने का फैसला किया है। लेकिन अब सत्ताधारी शिवसेना के तरफ से 2011 तक के झोपड़ों को पानी देने की मांग की जा रही है। शिवसेना (Shivsena) के पूर्व विधायक विनोद घोसालकर ने मेयर किशोरी पेडनेकर को इस बाबत पत्र भेजा है। दहिसर के गणपत पाटील नगर में सन 2000 तक के झोपड़पट्टी को बीएमसी द्वारा पानी की आपूर्ति की जा रही है। उसी प्रकार सन 2011 तक के स्लम को भी पानी की आपूर्ति की जाए। इस बाबत बीएमसी में चर्चा हुई है। महापौर किशोरी पेडनेकर ने विनोद घोसालकर का यह पत्र सभी पार्टियों के नेताओं के सामने रखा है।

रेलवे की जगह भी बनेगी कमाई की वजह

कोरोना काल में कमाई घटने के बाद हर एक संस्थान रचनात्मक तरीके से कमाई के साधन जुटा रहा है। रेलवे पिछले लॉकडाउन से ही टाइम टेबल आधारित पार्सल एक्सप्रेस या औद्योगिक क्षेत्र में बिजनेस डिवेलपमेंट यूनिट लगाकर कमाई कर रही है। अब ग्रांट रोड स्टेशन पर रेलवे की जमीन पर गोदाम बनाने का अवसर दिया जा रहा है। यहां एक रेल साइड पार्सल यार्ड पहले से ही मौजूद है, जिसका इस्तेमाल कोई भी निजी कंपनी कर सकती है। मुंबई डिविजन नॉन फेयर रेवेन्यू के तहत यह प्रॉजेक्ट तैयार कर रहा है। ग्रांट रोड में बरसों पुराना एक पार्सल यार्ड है, जिसका इस्तेमाल अब नहीं होता

है। इसका क्षेत्रफल 2058.25 वर्ग मीटर है। इस क्षेत्र के लिए प्रति वर्ष 7 फीसद की वृद्धि दर के हिसाब से ₹4.83 करोड़ रुपये किराया वसूला जाएगा। इसका अर्थ है कि रेलवे को लगभग ₹5 करोड़ की सालाना कमाई होगी।

रेलवे के एक अधिकारी ने बताया कि गोदाम फिलहाल पुरानी कंडीशन में है। रुचि लेने वाली पार्टी इसे अपने मुताबिक डिवेलप करके 5 साल तक रख सकती है। पार्टी रेनोवेट, ऑपरेट, मैनेज और ट्रांसफर करेगी। पार्टी को गोदाम की सारी जमीन, शेड और पार्किंग एरिया सब कुछ इस्तेमाल करने के लिए उपलब्ध होगा।

॥ શ્રી ગણેશાય નમઃ ॥ ॥ શ્રીજી ॥ ॥ જય ખોડીયાર માં ॥
Chintan Jiyani 99040 77991
Kishan Kyada 99040 77990
JKC
Jay Kuber CONSULTANCY
- PERSONAL LOAN
- CONSUMER LOAN
- HOME LOAN
- MORTGAGE LOAN
- CAR LOAN
- MUDRA LOAN
- INSURANCE
- PANCARD

jaykuber1997@gmail.com
D-2080, 2nd Floor, Central Bazar, opp Varachha Police Station, Minibazar, Varachha, Surat

लॉक डाउन

क्या केवल लॉक डाउन से सरकार की जिम्मेदारी खत्म हो जाती है? आज जनता घर मे बैठी है तो घर खर्च, स्कूल फीस, लोन स्टॉलमेंट, दुकान व घर का भाड़ा, बिजली बिल इत्यादि कहाँ से देगी? ऐसे ही हर जगह लॉक डाउन बढ़ाते रहे तो लोग कॅरोना से मरे या ना मरे लेकिन टेंसन में व भूख से लोग मर जायेंगे? क्या सब के पास अथाह पैसा रक्खा है जो कि बर्षो चलेगा? मास्क ना पहनों तो फाइन, दुकान खोलो तो फाइन, बाहर निकालो तो फाइन, शादी में ज्यादा लोग तो फाइन, गाड़ी या रिक्शा या टैक्सी में ज्यादा लोग तो फाइन क्या फाइन के लिए लॉक डाउन है?यदि जनता घर पर बैठती है तो उसका घर खर्च कैसे चलेगा, लोग जीवनयापन कैसे करेंगे? क्या यह सोचना सरकार का फर्ज नहीं है?क्या सरकार को नहीं चाहिये कि लोगो की स्कूल फीस, बिजली बिल, गैस बिल, घर का व दुकान का किराया, होम लोन का स्टॉलमेंट इत्यादि में किसी भी एक महीने या दो महीने की छूट दिलाने की या देने की कोशिश करें?

-संजय शर्मा 'राज'

पालघर व वसई में महंगी हुई प्यास, कई इलाकों में दो-तीन किलोमीटर दूर से लाना होता है पानी

पालघर, कोरोना महामारी व लॉकडाउन से त्रस्त पालघर के लोगों का अब पीने के पानी का संकट बढ़ गया है। जिलेभर में इन दिनों पानी की भारी किल्लत देखी जा रही है। खासकर पालघर के ग्रामीण इलाकों में स्थिति ज्यादा खराब है। यहां कुंए, नदी, तालाब सूखे पड़े हैं। मई की तपती धूप में लोगों को पानी के लिए कई किलोमीटर का सफर करना पड़ रहा है। कई इलाकों में लोग पानी खरीदकर पी रहे हैं। कोरोना महामारी में मंदी की मार झेल रहे लोगों को अब पानी के दामों में बढ़ोतरी रुला रही है। यही हाल वसई-विरार का भी है। वर्तमान में यहां मनपा के सामने जलापूर्ति एक बड़ी समस्या बनी हुई है। सूख गए नदी, नाले, तालाब और कुएं जिले में शहरों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक पानी की किल्लत देखी जा रही है। मई की भीषण गर्मी व उमस के बीच पानी की किल्लत ने कोरोना संक्रमण के बीच लोगों को इधर से उधर भटकने के लिए मजबूर कर दिया है। जव्हार, मोखाडा, वाडा, तलासरी, दहाणू, विक्रमगढ, कासा आदि क्षेत्रों में तेज धूप व भीषण गर्मी से कुएं, तालाब, नदी, झरने, कुएं सब सूख गए हैं। गांव की महिलाएं दो से तीन किलोमीटर दूर जाकर पानी लाती हैं। ग्रामीण भागों में पानी के टैंकर व मिनरल वाटर नहीं मिलने से उनकी परेशानी और बढ़ जाती है। घरों तक पहुंच रहा खदानों का दूषित पानी वसई-विरार मनपा क्षेत्र में आज भी 30 प्रतिशत लोगों को पीने का पानी नहीं मिलता है। ये लोग टैंकरों के पानी से काम चलाते हैं और पीने के लिए मिनरल वाटर खरीदते हैं। गर्मी शुरू होते ही पानी माफिया यहां सक्रिय हो जाता है। आलम यह है कि पानी माफिया टैंकरों से क्षेत्र की खदानों व तालाबों में जमा दूषित पानी भरकर रहवासी क्षेत्रों में आपूर्ति कर बीमारी फैला रहा है। मजबूरन अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए लोगों को इस दूषित पानी के लिए दोगुनी कीमत चुकानी पड़ रही है। गर्मियों से पहले एक टैंकर पानी 600 से 700 रुपये में मिलता था, जो अब हजार रुपये में मिल रहा है। कोरोना महामारी में अधिकतर लोग घरों में हैं, इसलिए पानी की खपत भी अधिक हो रही है। लोगों का कहना है कि एक तो कोरोना महामारी में काम-धंधा बंद होने से घर चलाना मुश्किल हो गया है, वहीं टैंकर माफिया ने लोगों की इस परेशानी को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

परमबीर सिंह की गिरफ्तारी 20 मई तक नहीं होगी, कोर्ट में अगली सुनवाई के बाद होगा फैसला

मुंबई, गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुंबई पुलिस के पूर्व कमिश्नर परमबीर सिंह को फौरी राहत दी है। ठाणे पुलिस द्वारा परमबीर सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। इस मामले में परमबीर सिंह ने कोर्ट की शरण ली और गिरफ्तारी रोकने की मांग की थी। इसी याचिका पर सुनवाई के दौरान गुरुवार को महाराष्ट्र सरकार ने बॉम्बे हाई कोर्ट से कहा कि ठाणे पुलिस द्वारा अत्याचार के मामले में सिंह के खिलाफ जो एफआईआर दर्ज की गई है, उसमें 20 मई तक गिरफ्तारी नहीं की जाएगी। इंस्पेक्टर ने लगाए भ्रष्टाचार के आरोप राज्य सरकार के वकील और वरिष्ठ अधिवक्ता डोरियास खंभाटा ने जस्टिस पी. बी वराले और जस्टिस एन. आर बोरकर की बैंच से कहा कि अकोला में एक पुलिस इंस्पेक्टर ने परमबीर सिंह के खिलाफ भ्रष्टाचार के जो आरोप लगाए हैं, वे बहुत गंभीर हैं। इस मामले में पुलिस अब सिंह की याचिका के जवाब में एफिडेविट कोर्ट में पेश करेगी। पुलिस ने शुरू की जांच राज्य सरकार के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि परमबीर सिंह के खिलाफ 30 अप्रैल को एफआईआर दर्ज की गई थी। इसमें पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान मिले सबूतों को एफिडेविट के रूप में पेश करने के लिए पुलिस को समय चाहिए। इस दौरान याचिकाकर्ता यानी परमबीर सिंह को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा। हाई कोर्ट की बैंच ने राज्य सरकार का जवाब स्वीकार किया और अगली सुनवाई के लिए 20 मई की तारीख तय की है। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि पूर्व कमिश्नर के खिलाफ जो शिकायत की जा रही है, वह कथित घटना 2015 में घटी। फिर शिकायत 2021 में क्यों दर्ज की गई।

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।